मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 80
सोमवार, 29 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

विजय की करूर रैली में भगदड़ से 39 की मौत, टीभीके ने किया 20 लाख मुआवजे का ऐलान

तमिलनाडु, 28 सितम्बर। तमिलनाडु के करूर में शनिवार शाम अभिनेता और राजनेता विजय की रैली में मची भीषण भगदड़ में 10 बच्चों और 16 महिलाओं सहित 39 लोगों की दुखद मौत हो गई। इस बड़ी त्रासदी के बाद चेन्नई में विजय के आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। विजय ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ितों की मदद के लिए सहायता राशि देने की घोषणा भी की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस घटना को राज्य की हाल की सबसे बुरी त्रासदियों में से एक बताते हुए, मद्रास उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश अरुणा जगदीशन के नेतृत्व में न्यायिक जाँच आयोग के गठन की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने स्थिति की समीक्षा के लिए चेन्नई में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक

आपात बैठक भी की।

तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय ने एक बयान जारी कर इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। विजय ने कहा कि करूर में जो हुआ, उसे सोचकर उनका दिल और दिमाग गहरे भारीपन से भरा है। उन्होंने कहा कि अपनों को खोने के अपार दुःख को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। उन्होंने सभी प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और इसे अपूर्णीय क्षति बताया।

पीड़ितों की मदद के लिए, विजय ने घोषणा की कि वह मृतकों के परिवारों को 20 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि देंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि उनका तमिलगा वेत्री कझगम संगठन इलाज करा रहे घायलों को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। भगदड़ शाम करीब 7:30 बजे मची। यह तब हुआ जब दोपहर से ही विजय का इंतजार कर रहे हजारों लोग उनके प्रचार वाहन से संबोधन के दौरान आगे बढ़ने लगे। बताया गया है कि कई लोग घंटों धूप में इंतजार करने के कारण गर्मी, निर्जलीकरण और घुटन से बेहोश हो गए थे। घटनास्थल के वीडियो में लोग भगदड़ से बचने के लिए झोपड़ियों की छतों पर भागते और बाहर निकलते हुए दिखाई दिए।

39 मौतों के बाद विजय की टीभीके पार्टी के नेताओं पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज

तमिलनाडु, 28 सितम्बर। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता और राजनेता विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ में 39 लोगों की मौत होने के बाद, पुलिस ने उनकी राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेत्री कझगम के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। इस दुखद घटना में लगभग 10 बच्चे शामिल हैं, जबकि 50 से ज्यादा लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस ने TVK पार्टी के वरिष्ठ नेताओं बुस्सी आनंद, निर्मल कुमार और वी.पी. मथियालगन के खिलाफ मामला दर्ज किया है और जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, TVK पार्टी ने रैली के लिए शुरू में 10,000 लोगों के जमावड़े की अनुमति मांगी थी, लेकिन वास्तव

में भीड़ दोगुनी से भी ज्यादा थी।

तीन दशकों से तमिल सिनेमा के सबसे बड़े नामों में से एक रहे विजय ने पिछले साल अपनी पार्टी शुरू करने के बाद से लगातार भारी भीड़ जुटाई है। भगदड़ से 'दुखी' विजय ने पीड़ित परिवारों को सहायता देने का वादा किया है। वह अगले साल होने वाले राज्य चुनावों से पहले अपनी पार्टी का प्रचार कर रहे थे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। राज्य सरकार ने भगदड़ के कारणों की जांच के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में एक आयोग भी नियुक्त किया है।

दिल्ली सरकार 100 स्वचालित पार्किंग सुविधाएं निर्मित करने की योजना बना रही : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को ग्रेटर कैलाश (जीके) में मल्टीलेवल शटल-टाइप पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया और कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी की पार्किंग समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए शहर भर में ऐसी करीब 100 सुविधाओं का निर्माण करने की योजना बना रही। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा 63.74 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस अत्याधुनिक पार्किंग में 399 वाहनों को रखने की व्यवस्था है और इसका उद्देश्य दक्षिणी दिल्ली के सबसे व्यस्त बाजारों में से एक में यातायात जाम कम करना है।

उद्घाटन समारोह में गुप्ता ने कहा, दिल्ली में पार्किंग एक बड़ी समस्या है। इससे ट्रैफिक जाम लगता है और लोगों के बीच विवाद होते हैं। हमारी सरकार इस समस्या के समाधान के लिए तकनीक आधारित उपायों पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य शहर के विभिन्न हिस्सों में लगभग 100 स्वचालित पार्किंग सिस्टम स्थापित करना है।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के लिए धन की कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि शटल और पजल पार्किंग जैसी परियोजनाएं लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों को दूर करने में मददगार साबित होंगी। सांसद बांसुरी स्वराज ने इस सुविधा को दिल्ली के विकास का नया अध्याय बताया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने शनिवार को राजपूताना राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में एक फुटओवर ब्रिज की आधारशिला रखी।

पीएम मोदी ने स्वदेशी और 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर दिया

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 126वें संस्करण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निस्वार्थ सेवा और अनुशासन की भावना की खुलकर प्रशंसा की। यह संबोधन विजयादशमी पर आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने से कुछ दिन पहले आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आरएसएस की असली ताकत उसकी त्याग, सेवा और अनुशासन की भावना है, और इसके स्वयंसेवकों के हर काम में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना सर्वोपरि रहती है।

प्रधानमंत्री मोदी, जो स्वयं आरएसएस के प्रचारक रहे हैं, ने कहा कि केशव बलिराम

हेडगेवार ने देश को बौद्धिक गुलामी से मुक्त कराने के उद्देश्य से 1925 में विजयादशमी के दिन आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि तब से आरएसएस की यात्रा प्रेरणादायक, उल्लेखनीय और अभूतपूर्व रही है। मोदी ने हेडगेवार के उत्तराधिकारी एम.एस. गोलवलकर की भी प्रशंसा की। उन्होंने गोलवलकर के कथन 'यह मेरा नहीं है, यह राष्ट्र का है' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संदेश ने लाखों स्वयंसेवकों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदा आने पर आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और 'वोकल फॉर लोकल' को खरीदारी का मंत्र बनाने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर खादी का कोई उत्पाद खरीदने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, 'ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसमें देश के किसी नागरिक की मेहनत है, उसी सामान का उपयोग करेंगे।' उन्होंने समझाया कि जब हम ऐसा करते हैं, तो हम किसी परिवार की उम्मीदों को जगाते हैं, कारीगर की मेहनत को सम्मान देते हैं, और युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं।

पालघर में बिजली गिरने से छह लोग घायल, कई मकान क्षतिग्रस्त

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में बिजली गिरने की दो घटनाओं में छह व्यक्ति घायल हो गए और कुछ घरों को नुकसान भी पहुंचा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। बिजली गिरने की घटना पालघर जिले के जौहर तहसील के कई हिस्सों में शनिवार को हुई। जिला आपदा प्रबंधन केन्द्र के अधिकारी विवेकानंद कदम ने बताया कि जौहर के तहसीलदार द्वारा मिली जानकारी के अनसार धनवा गांव में रात करीब साढ़े दस बजे बिजली गिरने की घटना में एक घर क्षतिग्रस्त हो गया और परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

त्योहारों के दौरान अराजकता फैलाने वालों को ऐसी सजा मिलेगी कि पीढ़ियां याद रखेंगी: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 28 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी अराजक हरकत के ऐसे परिणाम होंगे जिन्हें आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। मुख्यमंत्री कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद यहां एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

आदित्यनाथ ने कहा, अगर कोई त्योहारों के आनंद और उत्साह के दौरान उत्पात मचाने की कोशिश करेगा, तो उसे इस उत्पात की ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी कि आने वाली पीढ़ियां याद

रखेंगी। उन्होंने कहा, कुछ लोग भारत में रहते हैं लेकिन गजवा ए हिंद का नारा लगाकर भारत के अंदर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, गजवा-ए-हिंद हिंदुस्तान की धरती पर नहीं होने दिया जाएगा। गजवा-ए-हिंद की कल्पना या उसका सपना देखना भी नर्क का रास्ता बना देगा। अगर कोई नर्क जाना चाहता है, तो वह गजवा-ए-हिंद के नाम पर अराजकता फैलाने का प्रयास करके दिखाए। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, जो कोई भी कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, जो कोई भी किसी राहगीर पर हमला करेगा, जो कोई भी किसी बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा, और... जो कोई भी त्योहारों के दौरान पत्थरबाजी करेगा, हम उसे नर्क का एकतरफा टिकट देंगे।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

गोवा सरकार स्वयंपूर्ण मित्रों और नोडल अधिकारियों को 50 हजार रुपये का मानदेय देगी: मुख्यमंत्री

गोवा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार स्वयंपूर्ण गोवा कार्यक्रम में उनके योगदान के सम्मान में स्वयंपूर्ण मित्रों और नोडल अधिकारियों को 50,000 रुपये का मानदेय देगी।

सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित इस पहल के तहत 35वें लाइव संवाद को संबोधित करते हुए सावंत ने कहा कि यह कार्यक्रम शासन को लोगों के दरवाजे तक ले जाने में सफल रहा है और इससे लाखों गोवावासियों को लाभ हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा, स्वयंपूर्ण गोवा की अवधारणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान से प्रेरित है।

मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

-ललित गर्ग

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वाताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं। आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है।

अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता बनी कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं एवं अतिशयोक्तिपूर्ण हरकतों से पिछले कुछ दिनों में बेकार होती हुई दिख रही थी। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत से अब अंधेरे छंटते हुए दिख रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम रखने में और बड़ी भूमिका निभाए, वहीं भारत अपनी सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सहयोग को और गहरा करना चाहता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अमेरिका एक अहम सहयोगी बन सकता है। अमेरिका से तरलीकृत प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। तकनीकी क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत है। सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग आने वाले दशकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। चाहे राजनीति हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या तकनीक-भारतीय-अमेरिकी समुदाय का योगदान उल्लेखनीय है। यह समुदाय भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार देता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत में भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा भी हुई, जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास और निकटता को और बढ़ाया।

भारत और अमेरिका दोनों आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। 9/11 की घटना ने अमेरिका को और 26/11 ने भारत को गहरे जख्म दिए। यही कारण है कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। हाल की बातचीत में आतंकवाद को समाप्त करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अफगानिस्तान और मध्य-एशिया की परिस्थितियों को देखते हुए भारत और अमेरिका का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए निर्णायक हो सकता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत ने यह साबित किया है कि अतीत के मतभेद रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि नए संवाद का अवसर बन सकते हैं। व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और आतंकवाद जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी है। आज जब दुनिया वैश्विक महामारी, आर्थिक संकट, युद्ध की विभीषिका और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, भारत और अमेरिका की साझेदारी नई दिशा और स्थिरता का संकेत देती है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता में बेशक व्यवधान आए हों, पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच जिस गति से वार्ता हो रही है, उससे वर्ष के अंत तक दोनों में व्यापार समझौता होने की पूरी उम्मीद है। असल में दोनों देशों के बीच पांच दौर की व्यापार वार्ता हो चुकी है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद छठे दौर की प्रस्तावित वार्ता रुक गई थी, जो बीते मंगलवार से फिर पटरी पर लौट आई है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए पूरी तरह से खोले, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि यह उसके किसानों व मछुआरों के हितों के खिलाफ है। भारत पहले ही कह चुका है कि वह किसानों, डेयरी उत्पादकों एवं एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव था, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो और इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहने के लिए भारत दूसरे देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। भले ही डोनाल्ड ट्रंप पर अधिक भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन सवाल यह है कि अब उनकी तरफ से दिखाई जा रही नरमी को क्या एक संकेत माना जाए कि इससे कोई नई राह निकलेगी। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत थी, अब अमेरिका भारत का नजरिया समझने को तत्पर हुआ है तो निश्चित ही इसके दूरगामी परिणाम आयेंगे।

वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है भारत

-रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व पर्यटन दिवस मानाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें दुनिया भर में इसके आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, नैतिक और पशु कल्याण संबंधी विचार भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। हर साल विश्व पर्यटन दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। 2025 का विषय ‘पर्यटन और हरित निवेश’ है। यह थीम स्थायी पर्यटन अवसंरचना और परियोजनाओं में निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है जो समुदायों और अर्थव्यवस्थाओं को समृद्ध बनाने के साथ-साथ हमारे ग्रह की रक्षा में भी मदद करें। हरित निवेश पर्यटन व्यवसायों और यात्रियों दोनों को ऐसे विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करता है जो उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें और सभी के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करें।

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। रिपोर्ट में वैश्विक यात्रा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डाला गया है और अनुमान है कि अगले दशक में यह चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा जो बुनियादी ढाँचे, विपणन और सेवा वितरण में मजबूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दशार्ता है। यह बढ़ता रुझान एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भारत की क्षमता को रेखांकित करता है और आर्थिक विस्तार एवं रोजगार को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विभिन्न उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कोलंबिया (+29.1%), और मिस्त्र (+22.9%) शामिल हैं।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है।

अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड, पेरिस, थाईलैंड, हॉन्गकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है।

आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है।

नारी शक्ति की अमरकथा: निर्मल महागौरी से वीर महिषासुरमर्दिनी तक

नवरात्र का आठवां दिन केवल एक तिथि नहीं, बल्कि सनातन साधना की गहराई में उतरने का निमंत्रण है। इस दिन मां दुर्गा का महागौरी स्वरूप पूजित होता है, श्वेत वस्त्रों में आभामंडित, निर्मल चित्त और पूर्ण वैभव का प्रतीक। किंतु यही अष्टमी हमें देवी के अद्वितीय शौर्य की भी याद दिलाती है, जब वही मातृशक्ति महिषासुरमर्दिनी बनकर अन्याय और अत्याचार का संहार करती हैं। इस दिन की उपासना हमें यह विश्वास दिलाती है कि पवित्रता और पराक्रम, दोनों ही जीवन के आवश्यक आयाम हैं। यही वह द्वंद्व है जिसमें से मानवता बार-बार अपनी दिशा पाती है, श्वेत आभा की शांति और सिंहहृदय साहस का अद्भुत संगम। सौंदर्य और साहस का यह अद्वितीय संगम ही नवरात्रि का मर्म है। मतलब साफ है नवरात्र केवल आराधना का समय नहीं, बल्कि आत्मशक्ति को जागृत करने का अवसर है। महागौरी हमें निर्मलता और शांति का मार्ग दिखाती हैं, जबकि महिषासुरमर्दिनी यह स्मरण कराती हैं कि अन्याय के विरुद्ध खड़ा होना ही धर्म है। आज के दौर में जब मानवीय मूल्य और पर्यावरण दोनों चुनौतियों से घिरे हैं, नवरात्रि का संदेश और भी प्रासंगिक हो उठता है, अपने भीतर की शक्ति को पहचानो, साहस और संयम से जीवन जियो, और प्रकृति व समाज के संतुलन को साधो

-सुरेश गांधी

नवरात्रि केवल देवी की आराधना भर नहीं, बल्कि मानव जीवन में साहस, संयम और आत्मजागरण का उत्सव है। मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की आराधना इसी संदेश को पुष्ट करती है। उज्ज्वल गौरवर्णा महागौरी सुख, शांति, धन और वैभव की अधिष्ठात्री मानी जाती हैं। पुराणों में वर्णित है कि महागौरी शेर पर आरूढ़ रहती हैं। यह शेर केवल वाहन नहीं, बल्कि शौर्य, वीरता और अदम्य साहस का प्रतीक है। जब मनुष्य विषय-भोगों और मोह-माया में उलझा हो, वासनाओं के अंधकार में डूबा हो, तब साधना का मार्ग चुनना किसी रणभूमि में उतरने से कम नहीं। साधक को अपने भीतर के ह्यशेरह्व, दृढ़ संकल्प, निर्भीकता और आत्मबल, को जाग्रत करना होता है। देवी की कृपा तभी प्राप्त होती है, जब अंतःकरण में यह साहस जन्म ले। अपने भीतर के देवत्व को पहचानने और बंधनों को तोड़ने का यही प्रथम चरण है।

देशभर में इन दिनों नवरात्रि की अलौकिक छटा बिखरी हुई है। नगर-नगर में भव्य पंडालों की रौनक है। सप्तमी के साथ ही देवी के कपाट खुलते हैं और श्रद्धालु मां के विविध स्वरूपों के दर्शन करते हैं। विजयदशमी की कथा भी इस साहसिक ऊर्जा का स्मरण कराती है, इसी दिन एक ओर प्रभु श्रीराम ने रावण का वध किया था, तो दूसरी ओर मां दुर्गा ने असुरों के अत्याचार से त्रस्त लोकों को मुक्त कराते हुए महिषासुर का संहार किया। महिषासुर की कथा शक्ति और अहंकार की पराकाष्ठा का दर्पण है। देवी भागवत पुराण के अनुसार, असुरराज रंभ की तपस्या से अग्निदेव ने वरदानस्वरूप उसे पुत्र प्रदान किया। मनुष्य और भैंस के संयोग से जन्मा यह पुत्र महिषासुर था, जिसमें इच्छानुसार मानव या भैंस का रूप धारण करने की शक्ति थी। ब्रह्माजी के वरदान ने उसे लगभग अजेय बना दिया था। इसी गर्व और अभिमान से प्रेरित होकर महिषासुर ने स्वर्गलोक पर चढ़ाई की और देवताओं को पराजित कर दिया। त्रस्त देवताओं की प्रार्थना पर त्रिदेव, ब्रह्मा, विष्णु और महेश की संयुक्त ऊर्जा से आदिशक्ति का प्राकट्य हुआ। यही शक्ति मां दुर्गा के रूप में प्रकट हुईं। उन्होंने नौ रातों तक महिषासुर से युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध कर लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त किया।

मां दुर्गा का यह महिषासुरमर्दिनी रूप केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि यह संदेश है कि अन्याय और अत्याचार चाहे कितना भी प्रबल क्यों न हो, अंततः धर्म और सत्य की विजय निश्चित है। यह भी कि अहंकार से उपजा सामर्थ्य नष्ट होता है, जबकि संयम और साहस से उपजा बल अमर रहता है। आज जब हम महागौरी की पूजा करते हैं, तो उनके श्वेत तेज से अपने अंतर्मन को उज्ज्वल करने का संकल्प भी लें। यह केवल आडंबर या अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशक्ति की साधना है। भीतर का भय मिटे, साहस जागे, तभी महागौरी की कृपा साकार होती है। नवरात्रि का यह पर्व हमें बताता है कि महिषासुर केवल बाहरी राक्षस नहीं, वह हमारे भीतर का अहं, क्रोध और वासना भी है। मां दुर्गा का स्मरण हमें अपने भीतर छिपे उन अंधकारों पर विजय पाने का आह्वान करता है। शौर्य और करुणा का यही दिव्य संगम नवरात्रि का सार है, जहां मां का वैभव, महागौरी की शांति और महिषासुरमर्दिनी का अदम्य पराक्रम, मानवता को आत्मबल और प्रकाश की ओर ले जाता है।

अष्टमी की उज्ज्वल आराधना

देवताओं का लोक जब असुरों के आतंक से कांप उठा, चारों दिशाओं में भय का कुहासा छा गया, तब देवसमूह ने ब्रह्मा, विष्णु और महेश की शरण ली। महिषासुर का अत्याचार बढ़ता ही जा रहा था। ब्रह्मा, विष्णु और महेश के सम्मुख समस्त देवगण ने करुण पुकार की ह्वहे त्रिदेव! हमें इस दैत्य से मुक्ति दिलाइये ह्व देवताओं की यह आत्र्त पुकार सुन ब्रह्मा, विष्णु और महेश की तेजस्वी ऊजाएं एकाकार हुईं। इसी संगम से उत्पन्न हुईं शक्तिरूपा आदिशक्तिकृमां दुर्गा। वह सौंदर्य और पराक्रम की ऐसी अनूठी प्रतिमूर्ति बनीं, जिनका तेज असुरों की सभी सेनाओं को परास्त करने में समर्थ था। नौ रातों और दस दिनों तक महिषासुर और मां दुर्गा का महायुद्ध चला। अंततः विजयादशमी के दिन देवी ने महिषासुर का वध किया। तभी से वे महिषासुरमर्दिनी कहलायीं, साहस, शक्ति और अदम्य वीरता का शाश्वत प्रतीक। यह कथा केवल युद्ध का आख्यान नहीं, बल्कि यह संदेश है कि जब भी अधर्म और अहंकार बढ़ेगा, दिव्य शक्ति स्वयं उसका अंत करेगी। नवरात्रि की अष्टमी इस दिव्य विजय का स्मरण कराती है और मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की उपासना का दिन है। महागौरी सुख, शांति, धन और वैभव की अधिष्ठात्री मानी जाती हैं। कहा जाता है कि मां के प्राकट्य के समय उनकी आयु आठ वर्ष थी, इसलिए अष्टमी को उनका विशेष पूजन किया जाता है। जो श्रद्धापूर्वक उनका स्मरण करता है, उसके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और जीवन में उजास भर उठता है।

महागौरी का कनखल शक्ति पीठ

हरिद्वार के समीप कनखल स्थित प्रसिद्ध शक्ति पीठ में महागौरी का पूजन अत्यंत फलदायी माना जाता है। श्वेत चांदनी के समान गोरे शरीर और उज्ज्वल आभा से युक्त मां महागौरी को श्वेताम्बरधरा कहा जाता है। चार भुजाओं वाली यह दिव्य मातृशक्ति एक हाथ में डमरु और दूसरे में त्रिशूल धारण करती हैं, शेष दो हाथों से वर और अभय का आशीर्वाद देती हैं। उनका वाहन पवित्रता का प्रतीक गाय है। महागौरी के नाम की कथा भी उतनी ही अद्भुत है। पुराणों में वर्णित है कि भगवान शिव को पाने के लिए देवी पार्वती ने कठोर तप किया। वर्षों तक कठिन साधना के कारण उनका रंग गहरा और शरीर क्षीण हो गया। जब भगवान शिव उनकी तपस्या से प्रसन्न हुए, तो गंगा के निर्मल जल से देवी का स्नान कराया। उसी क्षण उनका रंग शंख और चंद्रमा के समान उज्ज्वल हो गया। तभी से वे महागौरी के नाम से विख्यात हुईं। अष्टमी की रात्रि में भक्तजन मां महागौरी की आराधना विशेष मंत्रों से करते हैं। शास्त्रों में उल्लेख है कि उनके प्रिय मंत्र का 108 बार जप करने से साधक का अंतर्मन पवित्र होता है, भय दूर होता है और जीवन में सुख-समृद्धि का संचार होता है। मतलब साफ है नवरात्रि की यह अष्टमी केवल अनुष्ठान का अवसर नहीं, बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है। महिषासुरमर्दिनी के पराक्रम और महागौरी की शांति, इन दोनों से हमें सीख मिलती है कि जीवन में साहस और करुणा, तप और सौंदर्य, दोनों का संतुलन ही वास्तविक विजय का मार्ग है। अष्टमी के दिन उनका ध्यान करने से पाप नष्ट होते हैं और साधक को सुख, शांति और वैभव प्राप्त होता है। शास्त्र कहते हैं कि जिस प्रकार उनका रूप पूर्णतः श्वेत है, वैसे ही साधक का अंतःकरण भी निर्मल होना चाहिए।

रात्रि का विज्ञान और भक्ति का संगम

श्वेते वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिः।

महागौरी शुभं दध्यान्महादेवप्रमोददा।।

शास्त्रों में वर्णित यह मंगलाचरण नवरात्रि की अष्टमी का सार कह देता है। श्वेत वस्त्रों में अलंकृत, श्वेत वृष पर आरूढ़ महागौरी, जिनका स्पर्श ही शांति, सौभाग्य और वैभव का आशीष देता है। नवरात्र की आठवीं तिथि का यह पावन दिन, महागौरी की उज्ज्वल कृपा का पर्व है। पराक्रम की पराकाष्ठा का प्रतीक है मां दुर्गा का महिषासुरमर्दिनी रूप। देवताओं को आतंकित करने वाले महिषासुर को ब्रह्मा के वरदान ने अभेद्य बना दिया था। जब उसका अत्याचार असहनीय हो उठा, तब ब्रह्मा, विष्णु और महेश की संयुक्त शक्तियों से आदिशक्ति प्रकट हुईं। सिंहवाहिनी देवी ने महिषासुर के विरुद्ध दीर्घ युद्ध किया और अंततः उसका वध कर देवताओं को निर्भय कर दिया। यही विजयदशमी का भी मूल संदेश है, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की जीत। जिस प्रकार श्रीराम ने रावण का संहार किया, उसी दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का अंत कर ब्रह्मांड में न्याय की स्थापना की। ऋषि-मुनियों ने रात्रि को साधना का सर्वोत्तम काल बताया है। दिन में सूर्यकिरणों का विकिरण मंत्र-जाप और विचार-तरंगों की गति को बाधित करता है, जबकि रात्रि का शांत वातावरण उन्हें दूर तक पहुंचने देता है। यही कारण है कि नवरात्र में रात्रि जागरण को विशेष फलदायी माना गया है। मंदिरों में शंख और घंटियों की ध्वनि से उत्पन्न कंपन वातावरण को कीटाणुरहित करता है। नवरात्रि का समय वर्ष की दो प्रमुख ऋतु-संधियों में आता है, जब रोगाणु आक्रमण की संभावना बढ़ती है। उपवास, हवन और रात्रि साधना शरीर-मन को शुद्ध करने का वैज्ञानिक उपाय है। हमारे पूर्वज इस गहन प्राकृतिक सत्य को जानते थे, इसलिए नवरात्र को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और मानसिक शांति का पर्व माना गया।

कन्या पूजन का आध्यात्मिक रहस्य

अष्टमी और नवमी पर कन्या पूजन का विधान नवरात्रि का सबसे जीवंत प्रतीक है। नवदुर्गा के नौ रूपों को नौ कन्याओं में देखा जाता है। पूजन के समय कन्याओं के चरण धोकर, माथे पर रोली-बिंदी लगाकर, उन्हें हलवा-पूरी-चना का प्रसाद दिया जाता है और उपहार भेंट किए जाते हैं। यह केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में नारी शक्ति के प्रति आदर और श्रद्धा का संदेश है। मान्यता है कि कन्या पूजन के बिना नवरात्रि का व्रत अधूरा है। यह पूजन केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि देवी के नौ स्वरूपों में निहित स्त्री-शक्ति का सम्मान है। अष्टमी या नवमी, इनमें से किसी एक दिन नौ कन्याओं का पूजन श्रेष्ठ माना गया है। श्रद्धालु उन्हें देवी का ही प्रतीक मानकर आमंत्रित करते हैं, उनके चरण पखारते हैं, भोजन कराते हैं और उपहार अर्पित करते हैं। यह प्रथा बताती है कि मातृशक्ति की आराधना केवल मंदिरों तक सीमित नहीं, जीवंत समाज में नारी के रूप में विराजमान है।

आदिकाल से चली आ रही नवदुर्गा की कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार नवरात्र का व्रत अनादिकाल से शक्ति-उपासना का पर्व है। श्रीराम ने भी समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि का व्रत कर देवी का आशीर्वाद प्राप्त किया और दशमी के दिन लंका विजय को प्रस्थान किया। तभी से दशहरा असत्य पर सत्य की जीत का उत्सव बन गया। नवरात्रि केवल नौ दिनों का व्रत नहीं, बल्कि नौ शक्तियों की नवधा भक्ति है। देवताओं ने भी कठिन काल में इसी भक्ति का सहारा लिया। कथा है कि दुर्गम नामक राक्षस ने कठोर तप कर ब्रह्माजी को प्रसन्न किया और वेद-पुराणों को छिपा दिया। वेदों के लुप्त होते ही संसार में वैदिक कर्म ठहर गए, वर्षा थम गई, जीवन सूख गया। तब देवताओं ने नौ दिन तक माता जगदंबा की आराधना की और उनकी कृपा से जगत का संतुलन पुनः स्थापित हुआ। इस युद्ध में देवी ने दुर्गम का वध कर सृष्टि को विनाश से बचाया। यहीं से नवदुर्गा और नवरात्र व्रत की परंपरा प्रारंभ हुई।

भक्ति और विज्ञान का संगम

नवरात्रि में रात्रि जागरण को अत्यंत फलदायी माना गया है। ऋषि-मुनियों ने रात्रि की महत्ता केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी प्रतिपादित की। रात के समय वायुमंडल में शांति रहती है, सूर्य की किरणें न होने से ध्वनि-तरंगें और विचार-तरंगें अधिक दूर तक जाती हैं। जिस प्रकार सूर्यास्त के बाद दूरस्थ रेडियो स्टेशन का प्रसारण स्पष्ट सुनाई देता है, उसी प्रकार रात्रिकाल में किए गए मंत्रजाप और ध्यान की ऊर्जा भी अवरोध रहित विश्व में प्रसारित होती है। मंदिरों में बजते घंटे और शंख की ध्वनि से उत्पन्न कंपन वातावरण को शुद्ध कर रोगाणुओं का नाश करते हैं। हमारे ऋषि इस रहस्य को हजारों वर्ष पहले ही जान चुके थे। यही कारण है कि नवरात्रि में रात्रि जागरण को आत्मशक्ति और मनोकामना सिद्धि का सर्वोत्तम साधन बताया गया है।

स्वास्थ्य और ऋतु परिवर्तन का सामंजस्य

पृथ्वी जब सूर्य की परिक्रमा में मार्च और सितंबर की संधि पर होती है, तब ऋतु परिवर्तन का समय होता है। इस समय शरीर में रोगाणुओं का प्रकोप बढ़ता है। प्राचीन ऋषियों ने इसी काल में उपवास और शुद्धाहार का विधान किया, ताकि तन-मन दोनों को शुद्धता और सामर्थ्य मिले। नवरात्रि का व्रत इस वैज्ञानिक तथ्य का जीवंत उदाहरण हैकृआध्यात्मिक साधना और शारीरिक शुद्धि का अद्भुत संगम।

अंतःकरण को प्रकाशित करने का अवसर

नवरात्रि हमें बताती है कि देवी की आराधना केवल दीप, धूप और मंत्र तक सीमित नहीं। यह आत्मसंयम, नारी-सम्मान और प्रकृति-सम्मान का उत्सव है। जब हम रात्रि के सन्नाटे में मंत्रोच्चार करते हैं, तो अपनी विचार-तरंगों को ब्रह्मांड में भेजते हैं। यही तरंगें हमारे संकल्प को सिद्ध करती हैं। महागौरी की यह अष्टमी हमें याद दिलाती है कि भक्ति और विज्ञान, दोनों साथ-साथ चल सकते हैं। रात्रि जागरण की आध्यात्मिक ऊर्जा और वैज्ञानिक आधार हमें यह सिखाते हैं कि सत्य और शांति की खोज केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि हमारे जाग्रत अंतःकरण में भी है।

भिवंडी भाजपा जिला द्वारा मुफ्त आरोग्य शिविर के आयोजन में सैकड़ों की संख्या लोगों ने उठाया लाभ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी भाजपा जिला द्वारा सेवा पखवाडा अंतर्गत मुफ्त स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन भिवंडी के पद्मानगर स्थित अखिल पद्मशाली समाज हाल में भिवंडी मनपा के पूर्व सभागृह नेता व भाजपा जिला उपाध्यक्ष व कपिल पाटिल फाउंडेशन के अध्यक्ष सुमित पाटिल के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया। बतादें कि इस चिकित्सा शिविर में मधुमेह, रक्तचाप, ईसीजी, आखों की जांच, मुफ्त चश्मा वितरण के साथ अन्य सामान्य बीमारियों की जांच कर मुफ्त में दवा दी गयी। वहीं मोतियाबिंद पाये गये रोगियों का मुफ्त आपरेशन किया जायेगा, शिविर में सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुषों ने स्वास्थ्य जांच व दवा का लाभ उठाया। उक्त चिकित्सा चिकित्सा शिविर में मुख्य अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष रविकांत सामंत, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ममता परमाणी, अनिता गुरव, अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष डा. रामकृष्ण पोट्टावत्तिनी, भाजपा महासचिव राजू गाजेंगी, प्रवीण मिश्रा, उद्योग आघाडी अध्यक्ष उदयराज सिंह, राजेन्द्र वासम, मोहन कोंडा, कोंका मल्लेशम, श्याम भोईर, पी डी यादव, मंगेश यादव, चंद्रशेखर आदि भारी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे।

मूसलधार बारिश से नंदगांव-मुरबे मार्ग बाधित, सचिन पिंपले ने युवा सेना के साथ संभाली कमान

पालघर(उत्तरशक्ति)। मौसम विभाग ने मुंबई तथा आसपास के जिलों में 28, 29 और 30 सितम्बर को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस चेतावनी में पालघर जिला भी शामिल है। प्रशासन ने पहले ही नागरिकों को सावधानी बरतने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की थी। इसी बीच रविवार को पालघर जिले के नंदगांव-मुरबे-आलेवाडी मार्ग पर अचानक आए तेज बारिश और तूफानी हवाओं के कारण सड़क किनारे लगे पेड़ गिर पड़े। इस घटना से मार्ग पूरी तरह जाम हो गया और घंटों तक यातायात ठप रहा। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही युवा सेना उपतालुका प्रमुख सचिन पिंपले अपने साथियों युवासैनिक सागर पाटील, सुरेश पाटील और उपशाखाप्रमुख सर्वेश संखे के साथ मौके पर पहुँचे। उन्होंने स्वयं नेतृत्व करते हुए पेड़ हटाने का काम शुरू किया और ट्रैफिक को सुचारू करने में अहम भूमिका निभाई। ग्रामीणों ने कहा कि सचिन पिंपले जैसे युवा नेता हर कठिन परिस्थिति में आगे बढ़कर मदद करते हैं और युवाओं को समाजसेवा की प्रेरणा देते हैं। इस मौके पर उनकी टीम की तत्परता से मार्ग कुछ ही समय में साफ कर दिया गया और लोगों ने राहत की सांस ली। प्रशासन ने लोगों को निचले इलाकों में सतर्क रहने, समुद्र किनारे न जाने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

मनपा के सौतेले व्यवहार के कारण अंधेरी पूर्व के मरोल मरोशी रोड परिसर में पेय जल की किल्लत

मुंबई। बरसात के इस मौसम में भी अंधेरी पूर्व के मरोल मरोसी रोड परिसर में पीने के पानी की किल्लत पिछले चार दिनों से शुरू है। बताया जाता है कि पिछले चार दिनों से मरोल मरोशी रोड परिसर की 12इंच की जलवाहिनी जर्जर अवस्था के कारण फट गई है। जिसके कारण इलाके के नागरिकों को पीने के पानी की किल्लत हो रही है। पूर्व नगरसेवक कमलेश राय ने स्थानीय लोगों की पानी की समस्या को ध्यान में रखते हुए मनपा जल विभाग के अधिकारियों से समर्क कर जलवाहिनी की मरम्मत की मांग की है। बताया जाता है कि मनपा जल विभाग को अवगत कराने के बाद भी पिछले चार दिनों में जलवाहिनी के मरम्मत का कार्य नहीं हो पाया है। इस कारण स्थानीय लोगों को पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अनेक नागरिकों का कहना है कि जलवाहिनी गटर के अंदर से बिछाई गई है जिसके कारण नाले के गंदे पानी के आपूर्ति से बीमारी फैलने का भी खतरा बना हुआ है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने अपने डिजिटल आर्म एलन ऑनलाइन के लिए राकेश रंजन को सीईओ नियुक्त किया

मुंबई/पटना। देश के विख्यात शिक्षण संस्थान एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड ने अपने डिजिटल आर्म एलन ऑनलाइन में राकेश रंजन को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। राकेश एलन ऑनलाइन के आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, टेक्नोलॉजी आधारित ऑपरेशन्स, डिजिटल स्ट्रेटजी और वर्ल्ड क्लास लर्निंग एक्सपीरियंस की मदद से देश के स्टूडेंट्स का सपना सच करने के उद्देश्य को आगे बढ़ाएंगे। राकेश रंजन को टेक्नोलॉजी, कन्ज्यूमर इंटरनेट और ऑपरेशन्स के क्षेत्र में 18 वर्षों के कार्य का लम्बा अनुभव है। उनका पिछला कार्यकाल जोमेटो फूड डिलिवरी कंपनी में सीईओ के रूप में रहा है, जहां उन्होंने कम्पनी को लाभ में लाने के साथ-साथ मार्केट लीडर के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने जोमेटो की हाइपर प्योर की बी-टू-बी सप्लाई चेन को भी 18 महीने की अवधि में एक बड़े व्यवसाय के रूप में विकसित करते हुए स्थापित किया। राकेश इससे पहले बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) में भारतीय उद्योग समूहों को बाजार में बदलाव से संबंधित परामर्श देते थे। इस संबंध में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा कि देश में टेक्नोलॉजी के उपयोग से ही शिक्षा के अभाव को दूर किया जा सकता है। इसके लिए हमें सपोर्ट देते हुए स्टूडेंट्स की क्षमताओं को बढ़ाना होगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से बेहतर परिणाम देने के योग्य बनाना होगा।

रामलीला भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा: अमित साटम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रामलीला भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है, जिसके द्वारा बुराई पर अच्छाई की विजय, नैतिक मूल्यों का संरक्षण, और परिवार व समाज के प्रति कर्तव्यों का संदेश दिया जाता है। रामलीला भगवान राम के जीवन और उनके आदर्शों को दशार्ती है, जिससे लोगों को धर्म और नैतिकता के बारे में शिक्षा मिलती है। घाटकोपर पश्चिम के माणिकलाल मैदान में चल रही रामलीला के मंच से बोलते हुए मुंबई भाजपा अध्यक्ष विधायक अमित साटम ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी के अथक प्रयासों से बने भव्य राम मंदिर से लोगों में सनातन के प्रति अटूट आस्था का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने रामलीला समितियों की सुविधा के लिए ही वन विंडो परमिशन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि रामलीला समिति को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसके लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है। श्री साटम ने कहा कि भगवान राम के आदर्शों और उनकी विचारधारा पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में उतरने जा रही है। जनता के विश्वास और आशीर्वाद से महानगरपालिका चुनाव में हम ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेंगे। मंच पर विशेष रूप से उपस्थित श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी का विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर रामलीला महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुनील दुबे, ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष अशोक दुबे, महामंत्री संजय सिंह, कोषाध्यक्ष सनद ओझा समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। श्री रामलीला समिति पार्क साइट विक्रोली द्वारा आयोजित रामलीला में अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ला ने अमित साटम का जोरदार स्वागत सम्मान किया। इसके पहले अमित साटम ने पश्चिमी उपनगर और पूर्वी उपनगर के अनेक स्थानों पर चल रही रामलीला महोत्सव में शामिल होकर मुंबई भाजपा की तरफ से शुभकामनाएं दी।

माता की चौकी में भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। खुशबू पुत्री बंसराज प्रजापति के निवास झ मंगल्य कॉम्प्लेक्स, डोंबिवली वेस्ट झ में संजय महाराज के सान्निध्य में माता की चौकी का भव्य आयोजन किया गया। चौथी के शुभ अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में भारी संख्या में भक्तगणों ने उपस्थिति दर्ज कराई। श्रद्धालुजनों ने भजनों के माध्यम से माँ भगवती की आराधना की और श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की भव्यता और भक्तों की आस्था देखते ही बन रही थी।

रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज ग्राउंड पर बास्केटबाल कोर्ट का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। केएमई सोसायटी द्वारा संचालित सभी शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की शिक्षा और प्रशिक्षण के साथ-साथ उनकी शारीरिक फिटनेस को ध्यान में रखते हुये अनेक प्रकार के खेलों का आयोजन करते रहते हैं।

इसी क्रम में केएमई सोसायटी द्वारा संचालित रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज ग्राउंड पर शनिवार 27 सितंबर 2025 को सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य एवं इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल के चेयरमैन उजैर फकीह द्वारा नए बास्केटबाल कोर्ट का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर केएमई सोसायटी स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन दानिश मदू, नूह खलील पटेल, भिवंडी महानगर पालिका के खेल अधिकारी मिलिंद पलसुले, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, स्पोर्ट्स टीचर जाकिर अंसारी, मुसय्यब मोमिन और विभिन्न स्कूलों के खेल शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

कार्यक्रम के उदघाटन कर नये कोर्ट पर ओसवाल हाई स्कूल एवं मालूमा हाई स्कूल के छात्रों की टीमों के बीच बास्केटबाल का उद्घाटन मैच खेला गया जिसका दर्शकों ने तालियां बजाकर प्रशंसा किये।

पार्कसाईट की रामलीला मंचन में भक्तों की उमड़ी भीड़

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विक्रोली पार्कसाईट स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान में रामलीला उत्सव समिति द्वारा बहुत ही सुंदर मार्मिक मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के सजीव चित्रण का वर्णन चल रहा है। लगातार दो दिन से मूसलाधार बारिश होने के बावजूद भी रविवार को रामलीला प्रांगण में रामभक्त दर्शकों की भीड़ से खचा खच भरा हुआ है। पंचवटी में शूर्पणखा, खरदूषण वध,सीता हरण,राम विलाप आदि लीला का मंचन मंचित किया गया। और रामलीला मंच पर मुख्यातिथि के रूप में पधारे विधायक एवं मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम,श्री सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष एवं मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, आमदार महाराष्ट्र विधान परिषद भाई जगताप,पूर्व कस्टम कमिश्नर मुंबई के एस मिश्रा, पूर्व आयुक्त सीजीएसटी वी के सुमन, महाराष्ट्र कांग्रेस कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा का समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के द्वारा अंगवस्त्र पुष्पगुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंटकर सत्कार किया गया।इसी कड़ी में पूर्व नगरसेवक मोहन तिवारी,कांग्रेस नेता रामगोविन्द यादव,खलील खोत, नासिर खान,अनिल यादव, ज्योति मैडम शांता मसदे,आई पी पांडेय, ग्लैक्सी हॉस्पिटल के अधिष्ठाता डॉ अश्विनी पांडेय,समाजसेवी श्रीप्रकाश पांडेय का भी स्वागत किया गया। समिति द्वारा 2 अक्टूबर को दशहरा मेला,पुतला दहन और 3 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से सांस्कृतिक एवं भोजपुरी बिरहा का जंगी मुकाबला और शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। नामचीन कवियों व कवियत्रियों द्वारा काव्य पाठ किया जाएगा।आप सभी श्रद्धालु भक्तगणों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएँ। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल,दिवाकर मिश्र, सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय, आदेश मिश्र, भोलानाथ मिश्रा, राजेश सिंह,विमलेश मिश्र,रत्नेश शुक्ल, संजय मिश्रा,बृजेश शुक्ला,दिनेश पी सिंह, अरविंद शुक्ल,चंद्रमणि सिंह, राजन सिंह, प्रशांत शुक्ल, प्रमुख राहुल शुक्ल,आशीष तिवारी, शुभम सिंह, प्रदीप मिश्रा, ब्रह्मदेव दुबे,एड सुमित पाल, रमापति यादव, तपस्वी चौरसिया,संदीप दुबे, नीरज शुक्ला,अवधेश तिवारी,अशोक गुप्ता,सुनील पांडेय,राज मिश्रा,प्रेम सिंह, सचिन शुक्ल,ऋषभ प्रथम शुभांशु प्रत्यूष शुक्ल,प्रेम तिवारी, सहित तमाम आम जनमानस श्रद्धालु श्रोतागण मौजूद रहे।

उपनियंत्रक नागरी संरक्षण दल द्वारा विद्यार्थियों हेतु आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। उपनियंत्रक, नागरी संरक्षण दल, पालघर कार्यालय के माध्यम से शनिवार 27 सितम्बर 2025 को बोईसर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सातिवली स्थित स्वतंत्र सैनिक नरोत्तम लक्ष्मण पाटील माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए आपत्ती व्यवस्थापन (डिजास्टर मैनेजमेंट) प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उपनियंत्रक के.आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन में तथा विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हस्के के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यालयीन अधिकारी अनंता पिरकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कक्षा 7वीं से 10वीं तक के लगभग 350 से 400 विद्यार्थियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को मानव निर्मित एवं प्राकृतिक आपत्तियों की जानकारी, प्राथमिक उपचार, विमोचन कार्य में उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रकार की गाठें, कृत्रिम स्ट्रेचर, आपातकालीन स्थिति में घायलों को उठाने के तरीके, आग क्या है व उसका वर्गीकरण, साथ ही नागरी संरक्षण दल का महत्व एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता जैसे विषयों पर व्याख्यान व प्रत्यक्षिक प्रदर्शन किये गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व विभागीय क्षेत्ररक्षक व मानसेवी निदेशक नरेंद्र सोलंकी, मास्टर ट्रेनर प्रिया पाटील, ज्योति मोरे, सुषमा जाधव व राहुल तामोरे का विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की मुख्याध्यापिका ठाकुर मैडम, शिक्षक वर्ग तथा उपस्थित अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनरों के हाथों वृक्षारोपण भी किया गया।

तड़ीपार गुंडे का आतंक राह चलते पर चाकू से हमला

गुंडे ने शराब पीने के लिए मांगे थे पैसे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली से तड़ीपार रूपेश कनौजिया ने शराब के पैसे न देने पर ओमकार मुले नामक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। घटना देर रात कल्याण पूर्व में उस समय हुई जब ओमकार घर लौट रहा था। ओमकार के अनुसार, रूपेश कनौजिया ने शराब के पैसे मांगे और न देने पर उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में ओमकार घायल हो गया और उसे इलाज के लिए कल्याण के रुक्मिणीबाई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, रूपेश लल्लन कनौजिया तड़ीपार गुंडा है जिसके खिलाफ दर्जनों मामले दर्ज हैं। कनौजिया को पहले भी कोलसेवाड़ी पुलिस अनेकों बार गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। कुछ महीनों पहले उसे तड़ीपार किया गया था। 26 तारीख को उसने शराब के पैसे न देने पर ओमकार पर फिर से हमला कर दिया।

घायल युवक और गुंडे के बीच तीखी बहस हुई। जब ओमकार ने पैसे देने से इनकार किया, तो कनौजिया ने ओमकार पर चाकू से वार किया और फरार हो गया। पीड़ित के बयान के आधार पर, कोलसेवाड़ी पुलिस ने हमलावर रूपेश कनौजिया के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है और उसकी तलाश कर रही है।

जय हिन्द मित्र मंडल द्वारा नवरात्रोत्सव पर सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत गणेश नगर स्थित जय हिन्द चौक पर हर वर्ष की तरह इस बार भी नवरात्रोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन अपने 23वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में उत्साह एवं श्रद्धा का माहौल देखने को मिल रहा है।

नवरात्रोत्सव के इस शुभ अवसर पर जय हिन्द मित्र मंडल की ओर से देवी दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना विधि-विधान से की गई। प्रतिदिन भक्ति संगीत, गरबा, डांडिया, भजन-कीर्तन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। आयोजन समिति की ओर से नवरात्रोत्सव के साथ-साथ बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, भजन-कीर्तन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना और समाज में सांस्कृतिक चेतना का प्रसार करना है। वहीं जय हिन्द मित्र मंडल द्वारा गणेश नगर एवं आसपास के पूरे क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों की सफाई और जागरूकता कार्य किए गए। मंडल के सदस्यों ने स्थानीय नागरिकों से भी अपील की कि वे स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में योगदान दें।जय हिन्द मित्र मंडल के अध्यक्ष वीरेंद्र कमला चौहान ने बताया कि ह्लनवरात्रोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि समाज को एकजुट करने का अवसर है। हमारी पूरी टीम श्रद्धालुओं की सुविधा और सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित है।ह्व इस आयोजन को सफल बनाने हेतु जय हिन्द मित्र मंडल के अध्यक्ष वीरेंद्र कमला चौहान, महासचिव अनिल कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष अमर सिंह एवं वीरेंद्र मोती चौहान, सचिव राम आसरे तिवारी, कोषाध्यक्ष वकील राय, प्रमुख सलाहकार व विहिप प्रखंड अध्यक्ष एस.पी. सिंह, व्यवस्थापक प्रमोद यादव तथा बजरंग दल संयोजक कुंदन सिंह का विशेष सहयोग दिया जा रहा है।

अंधेरी पूर्व के पंप हाउस की अंबे माता' के दर्शन के लिए देवी भक्तों की हो रही है भीड़

मुंबई। नवरात्रि के इस पावन पर्व के अवसर पर मुंबई के अनेक इलाकों में सार्वजनिक नवरात्रोसव का बड़े पैमाने पर आयोजन किया गया है। अनेक जगहों पर जय अंबेमाता के दर्शन के लिए देवी भक्तों की अच्छी खासी भीड़ हो रही है। इसके अलावा मां जयअंबे की स्थापना घरों में भी देवी भक्तों द्वारा की गई है।

जो कि देवी भक्तों के' लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इसी तरह अंधेरी पूर्व के शारदा पांडे चाल में जननी शक्ति महिला मंडल की अध्यक्षा पुष्पा त्रिपाठी की ओर से पिछले कई सालों से नवरात्रि में अंबे माता' की स्थापना की जा रही है। खास बात यह है कि अंबे माता के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। जननी शक्ति महिला मंडल की ओर से आयोजित अंबे माता के दर्शन के लिए नवरात्रि के छठवें दिन पी. एस. फाउंडेशन के संस्थापक प्रदीप शर्मा व फाउंडेशन की अध्यक्षा स्वीकृति शर्मा ने यहां उपस्थित होकर अंबे माता के दर्शन का लाभ उठाया। इस दौरान शर्मा ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवरात्रि में हम सब जगत जननी माँ दुर्गा की आराधना में लीन हैं चारों ओर आस्था की अमृत वर्षा हो रही है। मां से यही प्रार्थना है कि सभी देशवासियों के जीवन में सुख समृद्धि का वास हो। इस अवसर पर उमेश उपाध्याय, अशोक दुबे, संदीप चौबे , श्याम दुबे, माया दुबे, इंद्रावती वर्मा, सांवरिया चौरसिया, श्रीदेवी, मनीष पटेल तथा बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाओं ने अंबे माता का दर्शन किया ।नवरात्रि के अवसर पर यहां पूजा-अर्चना, भजन , देवी गीत और सामूहिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

फोनपे ने किफायती फायरक्रैकर इंश्योरेंस पेश किया

मुंबई। फोनपे ने आने वाले त्यौहारों के सीजन से ठीक पहले, पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं से सुरक्षा देने के लिए कॉम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंस कवरेज को फिर से लॉन्च किया है। यह किफायती प्लान सिर्फ 11 रुपये (जीएसटी सहित) में उपलब्ध है और त्यौहार की 11 दिनों की अवधि के दौरान 25,000 रुपए तक का कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य खरीदारों को बेहतर आश्वासन और सुरक्षा प्रदान करना है ताकि वे त्यौहारों का आनंद ले सकें और यह सोचकर सुनिश्चित रहे कि किसी भी अप्रिय दुर्घटना की स्थिति में उनके पास फाइनेंशियल सपोर्ट पहले से ही उपलब्ध है। आने वाले त्यौहारों के सीजन में पटाखों के ज्यादा उपयोग को देखते हुए, फोनपे ने फायरक्रैकर इंश्योरेंस प्लान को फिर से पेश किया है, ताकि लोग बिना किसी चिंता के त्यौहार मना सकें। सिर्फ 11 रुपये की मामूली से फीस पर, खरीदार 25,000 रुपये तक की बीमित राशि का लाभ उठा सकते हैं और एक ही पॉलिसी के तहत अपने पूरे परिवार को, जिसमें वे खुद, उनके पति/पत्नी और 2 बच्चे शामिल हैं, को सुरक्षित कर सकते हैं। यह कवरेज 12 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर 11 दिनों के लिए वैलिड है।अगर पॉलिसी इस तारीख के बाद खरीदी जाती है, तो पॉलिसी खरीदने की तारीख से 11 दिनों तक प्रभावी रहेगी।

कोलकाता की तर्ज पर भायंदर में दूर्गा पूजा का भव्य आयोजन

भायंदर। कोलकाता के प्रसिद्ध दुर्गा पूजा की तर्ज पर भायंदर में बंगा संघा का सार्वजनिक दूर्गा पूजा 28 सेप्टेंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजन किया गया है। संस्था के अध्यक्ष मोन्टू जालुई, महासचिव किंकर अधिकारी व कोषाध्यक्ष संदीप दास ने संयुक्त रूप से जारी प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि बंगा संघा ४३ वां वार्षिक श्री श्री दुर्गा पूजा समारोह दुगार्वाडी प्रांगण, काशी विश्वनाथ मंदिर मार्ग,आर.एन.पी.पार्क, भायंदर (पूर्व) में होगा । इस भव्य समारोह के लिए माँ दुर्गा की प्रतिमा को बनाने के लिए कलकत्ता के प्रसिध्द मूर्तिकार रविशंकर दास आए है और इस बार कोलकत्ता के भव्य मंदिर की अलौकिक झांकी बनाई जा रही है। इस विशाल मंदिर के मण्डप सहदेव की टीम बना रही है। 70 फुट ऊंचा मण्डप का भव्य मंदिर रहेगा और इसमें माँ दुर्गा का आकर्षक दरबार सजेगा। समारोह के अवसर पर प्रतिदिन माँ दुर्गा की भव्य आरती व महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दुगार्पूजा कमेटी का गठन किया है। बंगा संघा के उपाध्यक्ष रथीन दत्ता के अनुसार बहुसंख्या मे भक्तजन इस पूजा में दर्शन करने आते है और इसकी तैयारी में दुगार्पूजा कमिटी 2025 के अध्यक्ष श्याम सुंदर घोष, महासचिव देबासिश साहा व कोषाध्यक्ष नीलकांत दास एवं पूरी कमिटी इसके आयोजन में लगी हुई है।

कोलकत्ता से विशेष बँड (ढाकी) का आयोजन किया गया है। इस दुर्गा पूजा समारोह में कई प्रकार के भव्य सांस्कृतिक आयोजन होंगे । इस दुर्गा पूजा में मुफ्त आरोग्य शिविर रखा गया है। बंगा संघा के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन का लाभ लेने के लिए सभी श्रध्दालु सादर आमंत्रित है ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

आपस में दो बाइकों की टक्कर में एक की हुई मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत झारोकला लौवा नदी पुलिया के ठीक आगे मोड़ के पास शनिवार की रात्रि करीब 11 बजे के बाद एक भीषण सड़क दुर्घटना आपस में बाइक टकराने से हो गई। जहां एक की मौके पर मौत हो गई और एक दो गंभीर रूप से चोटिल हो गए। रामलीला देखकर घर लौट रहे ग्रामीणों ने सड़क दुर्घटना में हुए बाइक सवारों की सूचना पुलिस एवं एंबुलेंस को दिया सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक स्वतंत्र कुमार सिंह ने सभी घायलों को एंबुलेंस के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी में लाकर भर्ती गया, जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सक बीके सिंह के द्वारा सोनू गौड (22) पुत्र संदेश लाल निवासी ग्राम दुम्हान को देखते ही मृत घोषित किया। वही गंभीर रूप से घायल युवक मिथिलेश कुमार (30) पुत्र उपाध्याय सिंह निवासी दुम्हान और जिंदलाल (30) पुत्र हीरालाल ग्राम मनबसा को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जाता है कि उसी बाइक पर एक 8 वर्षीय बालिका बैठी थी जिसे खरोच तक नहीं आई। प्रभारी निरीक्षक स्वतंत्र सिंह ने सीएचसी में पुलिस की सारी औपचारिकता पूरी की। इस दौरान शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उधर घटना से परिजनो में मातम छा गया।

मृतक साजेब के परिजनों से किसान नेता राजीव यादव ने की मुलाकात

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सात वर्षीय साजेब आलम की नृशंस हत्या के बाद सोशलिस्ट किसान सभा महासचिव राजीव यादव ने सिधारी, आजमगढ़ में मृतक के घर पर परिजनों से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल को मृतक के पिता साहिबे आलम ने बताया कि 24 सितम्बर 2025 को शाम 6 बजे ट्यूशन के बाद साजेब घर नहीं आया तो पूरा परिवार-मोहल्ला ढूढ़ने लगा और सिधारी थाने में लापता होने की रिपोर्ट लिखवाई। सुबह 10 बजे के करीब पड़ोस में तार पर बोरे में उसकी लाश लटकी मिली। गला काटकर बेरहमी से उसकी हत्या शैलेन्द्र निगम और उसके पूरे परिवार ने की। पास-पड़ोस के लोगों ने आरोपी के घर में तिलक, सिंदूर, नीबू आदि के होने की बात कही जिससे लगता है कि बेटे की बली के नाम पर हत्या की गई। प्रतिनिधिमंडल को स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक बच्चे के शरीर पर तिलक, माला और हाथ में कलावा आदि था जो कहीं न कहीं किसी अंधविश्वासी तांत्रिक षड़यंत्र की ओर भी इशारा करता है। किसान नेता राजीव यादव ने सात वर्षीय साजेब आलम की हत्या के लिए पुलिस की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराते हुए पिता साहिबे आलम द्वारा बेटे की बलि देने के आरोपों को देखते हुए घटना की उच्च स्तरीय जाँच की मांग की है। मासूम साजेब जिसे दुनिया देखनी थी नफरत, रूढ़ि-अन्धविश्वास ने उसकी जान ले ली। पड़ोसी द्वारा मासूम की हत्या ने विश्वास का गला घोंट दिया। आरोपी के घर में हुई हत्या में मकान में मौजूद सभी दोषी हैं। आरोपी के घर को सील करते हुए इस घटना के षड्यंत्र में शामिल साजिश रचने वालों को भी जाँच के दायरे में लिया जाए। आरोपी और मृतक दो समुदायों के हैं, ऐसे में घटना की सम्प्रदायिक साजिश को बेनकाब किया जाए जिससे सम्प्रदायिक ताकतें इस तरह समाज को न बांट सकें। साजेब की हत्या को गंभीरता से देखने की जरूरत है क्योंकि इसमें हिंसा के साथ तांत्रिक साजिश भी लगती है जो किसी अन्य मासूम को भी शिकार बना सकती है। हीरालाल यादव ने कहा कि उनके छह वर्षीय बेटे कृष्णा की 2016 में स्कूल में हत्या कर दी गई थी। साजेब की घटना ने एक बार फिर उन्हें अपने बेटे की याद दिला दी। उन्होंने कहा कि बच्चे किसी का क्या बिगाड़ सकतें हैं। मां-बाप कितने लाड-प्यार से बच्चे को पालते हैं और एक झटके में सभी सपनों का कत्ल हो जाता है। इस घटना की सीबीआई से जाँच करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए जिससे किसी की हिम्मत न पड़े कि किसी बच्चे की हत्या करे। किसान नेताओं के प्रतिनिधि मंडल में राजीव यादव, अवधेश यादव, हीरालाल यादव शामिल थे।

ट्रेन से गिरकर किशोर घायल, हालत नाजुक

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बीती रात ट्रेन यात्रा कर रहे एक किशोर ट्रेन से गिर कर बुरी तरह घायल हो गया। जानकारी के अनुसार धनौली रावत चौक आगरा 16 वर्षीय मोहम्मद आदिल पुत्र उस्मान बीती रात अपने घर से दोस्तो के साथ काम करने गुवाहाटी जा रहा था।की शाहगंज जंक्शन पर चलती ट्रेन में किसी अन्य यात्री से धक्का लगने पर उक्त किशोर चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया।

सूचना मिलने पर रेलवे आरपीएफ के कांस्टेबल मधुर यादव ने किशोर को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया जहां उसका उपचार जारी है। वहीं इस सम्बंध में पूछने पर आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार दिवाकर ने बताया की बीती रात्रि लगभग तीन बजे एक यात्री ट्रेन से गिर कर बुरी तरह घायल हो गया था। जिसे अस्पताल में भर्ती कर परिजनों को सूचना दे दी गयी है।

सर्पदंश से युवक अचेत, अस्पताल में भर्ती

शाहगंज जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रविवार को एक युवक को सर्प दंश के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जाता है की सोहन पुत्र श्रीराम निवासी पूरे नारायण प्रतापगढ़ क्षेत्र के सुइथाकला में स्थित एक अस्पताल निर्माण में मजदूरी करता है। रविवार की सुबह उक्त युवक सोकर उठा और तैयार होकर काम करने लगा तभी टाइल्स के नीचे बैठे एक साँप ने डस लिया। सांप के काटने का एहसास होने पर थोड़ी देर में अचेत होने लगा। आनन फानन में अन्य मजदूरों ने उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया।जहां उसका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार अब युवक की जान खतरे से बाहर है।

शोक संतप्त परिजनों से मिलकर विधायक ने बंधाया ढांढस

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के समोधपुर गांव में सड़क दुर्घटना में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत पर शनिवार की देर शाम को

विधायक रमेश सिंह ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने परिवार के लोगों से मिलकर आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने मौत की घटना को परिवार पर वज्रपात बताया। उन्होंने कहा कि यह घटना हृदय विदारक है। उन्होंने परिवार के लोगों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। थाना क्षेत्र के उक्त गांव निवासी वीरेंद्र यादव की पत्नी गुड़िया बाइक से अपने पति के साथ इलाज के लिए शाहगंज जा रही थीं। खुटहन- समोधपुर मार्ग पर भेला बस स्टॉप के पास अचानक सामने से आए ई रिक्शा से टक्कर हो गई थी जिससे वह सड़क पर नीचे गिर गई थी। घायल को शाहगंज स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहाँ हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। घायल का इलाज वाराणसी के एक निजी अस्पताल में चल रहा था जहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

सम्पादक मण्डल जौनपुर इकाई ने परिवार का किया विस्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सम्पादक मण्डल उत्तर प्रदेश की जनपद इकाई की बैठक शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित पत्रकार भवन में सम्पन्न हुई। प्रदेश अध्यक्ष ,संरक्षक जय प्रकाश मिश्र की देख रेख में निवर्तमान

अध्यक्ष रामजी जायसवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन नवचयनित महासचिव डा. नौशाद अली ने किया। इस मौके पर नवचयनित अध्यक्ष राकेशकान्त पाण्डेय ने बताया कि संरक्षक मण्डल के सदस्यगण जय प्रकाश मिश्र, शम्भूनाथ सिंह, रामजी जायसवाल एवं नवचयनित महासचिव डा. नौशाद अली से विचार विमर्श करके कार्यकारिणी का गठन कर लिया गया है।

बैठक में उपस्थित लोगों के बीच पाण्डेय ने कार्यकारिणी की अल्प घोषणा किया जिस पर लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। साथ ही आगे कहा कि अगली बैठक में सभी अन्य पदाधिकारियों की घोषणा करते हुये शपथ ग्रहण समारोह की योजना बनायी जायेगी। इस अवसर पर डा. प्रमोद वाचस्पति, निवर्तमान महासचिव छोटे लाल सिंह, मंगला प्रसाद तिवारी लालजीत डेमोस, शब्बीर हैदर, महेन्द्र प्रजापति, मो. रऊफ खान, चन्द्र मोहन, रास हमीद, रमेश चन्द्र, प्रदीप पाण्डेय, सरस सिंह, दीपक श्रीवास्तव सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रवादी नौजवान सभा के तहत जौनपुर में भगत सिंह पार्क में कार्यक्रम की हुई शुरूआत

सुशील कुमार गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज राष्ट्रवादी नौजवान सभा के तहत जनपद जौनपुर में भगत सिंह पार्क में कार्यक्रम की शुरूआत विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह के तस्वीर पर

माल्यार्पण करते हुए की गई। इस कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष नवीन सिंह, जिला अध्यक्ष रत्नदीप शर्मा उर्फ साजन भइया, के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। एमएलसी ने पार्क में भगत सिंह जी की तस्वीर के साथ-साथ सुखदेव और राजगुरु जी की भी तस्वीर स्थापित करवाने के लिये बात कही। साथ ही साथ सब्जी मंडी में साफ सफाई एवम सुरक्षित पार्किंग बनाने के लिए आदेश दिया। और बृजेश सिंह प्रिंसू जी ने कहा कि यह नौंजवान सभा देश के युवाओं को सामाजिक, राजनीतिक, सांप्रदायिक, भ्रष्टाचार एवम सामाजिक अंध विश्वास जैसे समस्त अनैतिक विचारधारा को दूर करने का काम कर रही है। समस्त भारतीय स्वतंत्रता सेनानी में शहीद भगत सिंह एक महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। जिनका जन्म 28 सितंबर, 1907 को पंजाब के लायलपुर जिले में हुआ था। जलियांवाला बाग हत्याकांड से प्रेरित होकर उन्होंने भारत की आजादी के लिए संघर्ष किया।

मनीष सिंह बने राजपूत सेवा संगठन के जिलाध्यक्ष

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राजपूत सेवा संगठन के विस्तार एवं सशक्तिकरण की दिशा में रविवार को शहर के लाइन बाजार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई जिसमें आजमग्गढ़ और जौनपुर जनपद

के लगभग सौ से अधिक राजपूत बंधु सम्मिलित हुए। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे और सर्वसम्मति से श्री मनीष कुमार सिंह को राजपूत सेवा संगठन, जौनपुर इकाई के जिला अध्यक्ष पद हेतु प्रस्तावित किया। संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने भी सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए मनीष कुमार सिंह (रानू)को जौनपुर जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी। संगठन को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में जौनपुर इकाई और अधिक सक्रिय, संगठित एवं समाजसेवी कार्यों में अग्रसर होगी। राजपूत सेवा संगठन समाज की एकता, शिक्षा, संस्कार और सेवा को अपना मूल ध्येय मानकर कार्य कर रहा है और जौनपुर इकाई का गठन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राहुल सिंह, संस्थापक सदस्य आलोक सिंह, अनिल सिंह काकान, देवनाथ सिंह, आशीष सिंह, डॉ राम जी सिंह,योगेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

सेवा भारती जौनपुर ने कन्या पूजन द्वारा किया शक्ति की आराधना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सेवा भारती जौनपुर के तत्वाधान में सेवा बस्ती मुरादगंज स्थित श्री राम जानकी मंदिर पर सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कन्याओं को देवी स्वरूपा मानकर उनके चरण पखार तिलक एवं चुनरी से सुसज्जित कर पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला संघचालक डॉ सुभाष सिंह, सेवा भारती विभाग अध्यक्ष डॉ तेज सिंह, जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता, जिला बाल्य कार्य प्रमुख नारायण दास, नगर धर्म जागरण प्रमुख धर्मेंद्र, संयोजिका सुचिता सिंह सहित संस्था के उपस्थित लोगों ने मां भारती के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर किया। तत्पश्चात पंडित आनंद मिश्र ने विधिवत मन्त्रोंच्चार द्वारा शक्ति स्वरूपा कन्या पूजन कार्य का प्रारंभ कराया, जिसमें सभी अतिथियों, उपस्थित स्थानीय लोगों व मातृशक्तियों ने कन्याओं को माला, चुनरी, कुमकुम टीका आदि से सुसज्जित कर उन्हें भोजन कराकर बहुतायत उपहार आदि प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ सुभाष सिंह ने कहा की शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के नौ रूप, एक नारी जीवन चक्र को प्रदर्शित करता है, इसीलिए नारी में ही सृष्टि और ब्रह्मांड की संपूर्ण शक्ति

समाहित है। आज की नारी अगर अपनी शक्ति को पहचान कर सकारात्मक दिशा में प्रयास करें तो समाज और देश को अप्रतिम ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

विभाग अध्यक्ष डॉ तेज सिंह ने सेवा बस्तियों में किये जा रहे सेवा भारती के कार्यों की सराहना की तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन एवं समरसता स्थापित करने हेतु इसी तरह के प्रयास निरंतर किए जाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन नारायण दास चौरसिया एवं उपस्थित सभी के प्रति आभार महामंत्री देवेश गुप्ता ने व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वयं सेविका वंदना सरकार, महिला प्रमुख स्वप्निल सिंह, शिक्षा आयाम प्रमुख अर्चना सिंह, सखी वेलफेयर की अध्यक्ष प्रीति गुप्ता, सुधीर सिंह जी, शशांक श्रीवास्तव,दीपक सिंह, रामचंद्र मधुकर, राजेश कुमार, संतोष कुमार, क्रीड़ा भारती से अजीत प्रताप सिंह, सक्षम के जिला अध्यक्ष डॉ उत्तम गुप्ता, संदीप विश्वकर्मा, अंकुर चौहान, बस्ती प्रमुख प्रणव, सौरभ चौहान, शिवम, रविंद्र, प्रतीक आदि सहित तमाम मातृशक्तियां उपस्थित रहीं।

केराकत सरकारी अस्पताल की एक्स-रे मशीन बनीं शो पीस

एक्स-रे के नाम पर कमीशन खोरी का धन्धा आखिर कब तक

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सरकार द्वारा लगायी गयी एक्स-रे मशीन शो पीस बन कर रह गयी है। अस्पताल आने वाले मरीजों को आवश्यकता पड़नें पर एक्स-रे करानें के लिये लगायी गयी एक्स-रे मशीन को लम्बे समय से जंग खा रहा है। एक्स-रे मशीन टेक्निशियन लम्बे समय से बैठकर मुफ्त में केवल वेतन प्राप्त कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में एक्स-रे करानें के लिए अस्पताल आने वाले मरीजों को मजबूरी में बाहर से प्राईवेट में 500 (पांच सौ रुपये देकर एक्स-रे कराना पड़ता है। केराकत सरकारी अस्पताल में आये मरीजों को आये दिन इस स्थिति से प्रतिदिन दो चार होनें के साथ काफी जलालत भरी स्थिति से गुजरना पड़ता है। कमीशनखोरी के चक्कर में अस्पताल में तैनात महिला चिकित्साधिकारी निरन्तर रिकार्ड तोड़ती जा रही हैं। अस्पताल में प्राईवेट एक्स-रे सेन्टर के दलालों का हर समय जमघट लगा रहता है। भूलवश अगर किसी मरीज नें डाक्टर के लिखे एक्स-रे सेन्टर पर जाकर एक्स-रे करा लिया तो डॉक्टर उस मरीज को देखनें से इन्कार कर देते हैं। जिससे महिला चिकित्साधिकारी के सम्बन्ध में ज्यादा शिकायतें सुननें और देखनें को मिलती है।शो पीस बनीं एक्स-रे मशीन के नहीं चलनें के बारे में मुख्य चिकित्साधिकारी के केराकत आगमन पर स्थानीय नागरिकों के द्वारा अनेकों बार ध्यान आकृष्ट कराये जानें के बाद भी आज तक समस्या का समाधान न कर अनदेखी ही की जाती है। जिसका परिणाम अस्पताल आनें वाली जनता को प्राईवेट में बाहर एक्स-रे के नाम पर लूटा जा रहा है। किसी गरीब मरीज नें अपना दुखड़ा सुना दिया तो महिला चिकित्साधिकारी का जवाब होता है लिख दिया हूं। 50 रुपये कम हो जायेगा। मरीज का जवाब होता है साहब 50 रुपए कम होनें से क्या होगा। डाक्टर का जवाब होता है इससे कम नहीं होगा। आखिर बाहर प्राईवेट में एक्स-रे के नाम पर कब तक मरीजों के साथ खुली लूट सिलसिला जारी रहेगा। ऐसी स्थिति में आम जनता को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराये जानें का ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रति लोगों में तिखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जानें लगी है।

कोतवाली में हुई शांति समिति की बैठक, एसपी ने अमन-चैन बनाए रखने की किया अपील

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली परिसर में रविवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने की। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों से अपील की गई कि जनपद में अमन-चैन बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार से माहौल बिगाड़ने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें और हर छोटी-बड़ी सूचना पर त्वरित कार्रवाई की जाए। बैठक में एसपी सिटी, सीओ सिटी, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक, अन्य पुलिस अधिकारी, समाजसेवी, व्यापारी और विभिन्न समुदायों के लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर

जिले में शांति व्यवस्था कायम रखने का आश्वासन दिया।

अनियंत्रित बाइक डीसीएम से टकराई, युवक की मौत, दोस्त घायल

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले के सरायमीर थाना क्षेत्र के संजरपुर बाजार के पास शुक्रवार रात एक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी डीसीएम से टकरा गई। दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार गंभीरपुर थाना क्षेत्र के ईश्वरपुर गांव निवासी 22 वर्षीय सुनील कुमार पुत्र स्व0 राममिलन की बहन का दोगा था। सामान खरीदने के लिए उसने अपने दोस्त 26 वर्षीय सुनील पुत्र रामाश्रय के साथ सरायमीर बाजार से खरीदारी करके रात करीब 9 बजे घर लौट रहे थे। वे जैसे ही संजरपुर बाजार के पास पहुंचे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डीसीएम से टकरा गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और दोनों घायल युवकों को एंबुलेंस से मंडलीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने सुनील कुमार पुत्र स्व. राममिलन को मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल सुनील पुत्र रामाश्रय की हालत गंभीर होने के कारण उसे शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

रक्तदान से मिलता है जीवनदान

31 निरंकारी भक्तों ने पूर्ण उत्साह के साथ किया रक्तदान

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की प्रेरणा से संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन ने संत निरंकारी सत्संग भवन मुंगरा बादशाहपुर में रक्तदान शिविर आयोजित किया। शिविर का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष श्री कपिल मुनि जी, ने रिबन काटकर किया। शिविर में संत निरंकारी सेवादल के भाई बहन, साध संगत के महात्मा, वह अनेक स्वयंसेवकों ने उत्साह पूर्वक रजिस्ट्रेशन कराया और रक्तदान किया।

यह जानकारी देते हुए स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने बताया कि आज मुंगरा बादशाहपुर भवन पर प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चले रक्तदान शिविर में 31 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा पूर्वक सम्मिलित होकर पूरे जोश एवं उत्साह के साथ रक्तदान किये। रक्तदान शिविर विशेष रूप से केंद्र बिंदु रहा, जहां श्रद्धालु अधिक संख्या में सम्मिलित हुए। सभी ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ स्वेच्छा भाव से रक्तदान कर-के मानव कल्याण में अपना सहयोग दिये।

इस अवसर पर उपस्थित विशाल संत समूह को संबोधित करते हुए श्री अशोक कुमार सचदेव जी (जोनल इंचार्ज जौनपुर प्रयागराज) ने कहा की रक्तदान एक ऐसा सामाजिक कार्य है जो जाति धर्म और पहचान से परे जाकर मानवीय मूल्यों को दशार्ता है। रक्त नाड़ियों में बहे नालियों में नहीं, यही

मिशन का संदेश है। सतगुरु ने यह अमर संदेश देकर रक्तदान को मिशन की आध्यात्मिक सेवा का अभिन्न अंग बना दिया। यह संदेश आज भी प्रत्येक निरंकारी भक्त के हृदय में सेवा और समर्पण की प्रेरक लौ बनकर जीवंत है। शिविर में शामिल भक्तों ने रक्तदान के साथ-साथ सत्संग का भी आनंद लिया। आज संसार में अन्नदान, धन दान तो बहुत हो रहा है पर रक्तदान नहीं, रक्तदान महादान है।

उन्होंने आगे कहा कि जनपद के इतिहास में शाखा मुंगरा बादशाहपुर में यह पहली बार रक्तदान शिविर लगा है रक्तदान भक्ति का अंश बन गया है जिस प्रकार धन के दान से धन नहीं घटता, उसी प्रकार रक्तदान करने से शरीर में रक्त भी नहीं घटता। ये निरंकारी संत निस्वार्थ से स्वेच्छा से अपना रक्तदान करके सही मायने में जीवन दान दे रहे हैं। रक्तदान प्रतीक है प्राकृतिक एकता और विश्व भाईचारे का, संत दूसरों का खून नहीं बहाते बल्कि उन्हें अपना खून देकर जीवन दान देते हैं।

इस कार्यक्रम में जिला अस्पताल के डा.अरुण कुमार सिंह जी, व उनकी पूरी टीम मौजूद थी। पूर्ण स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता का विशेष ध्यान और रक्तदाताओं के लिए उत्तम जलपान व्यवस्था ने इस सेवा को और भी व्यवस्थित एवं सम्मानजनक बनाया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय निरंकारी सेवादल का भरपूर योगदान रहा जिसमें संयोजक व संचालक भी मौजूद रहे।

यह महा अभियान केवल रक्तदान नहीं बल्कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की करुणा सेवा और एकत्व के संदेश को जीवन में उतारने का सजीव माध्यम है जो हमें सिखाता है कि मानवता ही सर्वोच्च धर्म है। इसी प्रेरणा से प्रेरित संत निरंकारी मिशन, सेवा और समर्पण के पथ पर निरंतर मानवता का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

युवक मंडल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी रहे उपस्थित

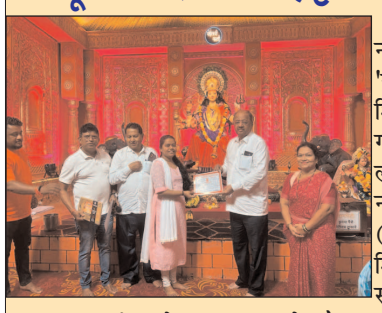

मुंबई। नवयुवक नवरात्रि महोत्सव में संस्था 'युवक मंडल' द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। युवक मंडल पटांगण, लोकमान्य तिलक नगर,पोइसर, कांदिवली (पश्चिम) में आयोजित इस शिविर में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए रक्तदाताओं और आयोजकों का हौंसला बढ़ाया। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने सभी रक्त दाताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किया और भविष्य में भी रक्तदान जैसा महादान करते रहने का सभी से आग्रह किया। शिविर में कुल 85 रक्त बोतलों का संकलन किया गया। इस अवसर पर जनसेवक शेट्टी के साथ गणेश बारे, महेंद्र गुरव, आनंद गुरव, दिपक पाटनेकर तथा संतोष परब सहित संस्था के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय समता पार्टी बीपी द्वारा रत्नप्पा कुम्भार की जयंती मनाई गई

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। आज वाराणसी जनपद के अजगरा विधानसभा स्थित माँ दुर्गा वाटिका में राष्ट्रीय समता पार्टी बीपी के बैनर तले पद्मश्री देशभक्त डॉ. रत्नप्पा कुम्भार जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन राज कुमार तथा विशिष्ट अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव पुनवासी राम प्रजापति रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन पार्टी के वाराणसी जिला अध्यक्ष राज कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर पार्टी के सभी पदाधिकारियों ने डॉ. रत्नप्पा कुम्भार के योगदानों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समर्पण का प्रतीक बताया। राष्ट्रीय महासचिव पुनवासी राम प्रजापति ने जनता से पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया, वहीं उपस्थित जनसमूह ने पार्टी के उद्देश्यों को अपना समर्थन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कैप्टन राज कुमार ने अपने संबोधन में 95/5 के फॉमूर्ले (अमीर बनाम गरीब) पर चर्चा करते हुए बताया कि राष्ट्रीय समता पार्टी बीपी समाज के वंचित और गरीब तबके की आवाज बनकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी सरकार में आती है, तो किसानों की सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। साथ ही उन्होंने श्वन नेशन वन एजुकेशनश्र नीति की वकालत करते हुए सिर्फ शिक्षा और स्वास्थ्य को मुफ्त करने की बात कही। भ्रष्टाचार पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का बड़ा हिस्सा कैश में होता है, अतः 100 से ऊपर के नोटों को बंद करने का प्रस्ताव भी रखा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित पदाधिकारी में टुनटुन पांडेय राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रेम कुमार सिंह राष्ट्रीय महासचिव, अजय कुमार मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार राष्ट्रीय महासचिव, विनय कुमार दूबे राष्ट्रीय सचिव, संदीप कुमार सिंह राष्ट्रीय सचिव, मनोज कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष, संजोग सिंह प्रदेश महासचिव, कमल दीक्षित जिला उपाध्यक्ष/प्रवक्ता, कमल सिंह जिला प्रभारी, मिजार्पुर, बबलू माली जिला उपाध्यक्ष, भदोही, श्रीमती मंजू देवी जिला अध्यक्ष, महिला मंच वाराणसी, मंगला यादव विधानसभा अध्यक्ष आज लोग मौजूद रहे।

इंटर पास छात्र-छात्राओं को बिहार सरकार एक हजार रुपए प्रतिमाह देगी भत्ता

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में बिहार सरकार ऐसे बेरोजगार युवक-युवतियां जो जो इंटर पास हैं पूर्व योजना अंतर्गत युवक/युवतियों को रोजगार तलाश करने हेतु भत्ता का लाभदिया जा रहा है। जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार अब 20-25 वर्ष के आयु वर्ग में आने वाले वैसे युवक/युवतियां जो राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों , महाविद्यालयों , संस्थानों से स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय से उत्तीर्ण हों, एवं स्वरोजगार,सरकारी निजी गैर सरकारी नियोजन अनुबंध स्थायी अस्थायी रूप से प्राप्त नहीं किये है, कहीं अध्ययनरत नहीं है तथा रोजगार की तलाश कर रहे है, को 1000/- रुपए प्रतिमाह की दर से अधिकतम 02 वर्षों तक इस योजना का लाभदेय सरकार देगी। इस योजना के तहत स्नातक उतीर्ण युवक युवतियों जो स्वयं सहायता भत्ता की राशि प्राप्त करेंगे उनको स्वरोजगार के लिए क्षमतावर्धन हेतु श्रम संसाधन विभाग, बिहार द्वारा निःशुल्क कौशल विकास से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान कराएगी।

पिता और छोटे भाई ने की किशोरी की गोली मारकर हत्या

शामली (उत्तरशक्ति)। कांधला थानाक्षेत्र के गांव अंबेहटा में पिता-पुत्र ने मिलकर 17 वर्षीय छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। किशोरी किसी युवक से बात करती थी। इसी के चलते उसे मार डाला। पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया और उनकी निशानदेही पर तमंचा बरामद कर लिया। किसान जुल्फान की 17 साल की बेटी कक्षा दस में पढ़ती थी। उसका किसी लड़के से अफेयर चल रहा था। रविवार दोपहर को वह मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी। जुल्फान और उसका बेटा छत पर बंदर भगाने के बहाने सना को ले गए और उपलों को रखने के लिए बने कमरे में ले जाकर उसे तमंचे से गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान किसी ने डायल 112 पर किशोरी की हत्या करने की सूचना दी। एसपी, एएसपी, सीओ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पिता और भाई ने मिलकर किशोरी की गोली मारकर हत्या की है। उनकी निशानदेही पर तमंचा बरामद कर लिया गया है। आरोपी जुल्फान ने पूछताछ में बताया कि उसकी बेटी किसी युवक से मोबाइल फोन पर बात करती थी। उसे कई बार समझाया गया, लेकिन वह नहीं मानी। इसी के चलते उसकी हत्या कर दी गई। किशोरी की हत्या में दूसरा आरोपी उसका छोटा भाई है।

निमार्णाधीन मकान में सेवानिवृत्त सैनिक की हत्या

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के कटहुला गौसपुर में शुक्रवार को सेवानिवृत्त सैनिक अमर सिंह (60) की हत्या कर दी गई। मृतक का खून से लथपथ शव एक निमार्णाधीन मकान में मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या क्यों और किसने की अभी इसका पता नहीं चल सका है। परिवार ने किसी के साथ रंजिश होने की बात से इन्कार किया है। बेटे की तहरीर पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अमर सिंह मूलरूप से कौशाम्बी के पश्चिमशरीरा थाना क्षेत्र के अमीना का पूरा गांव के रहने वाले थे। वर्तमान में वह अपने परिवार के साथ धूमनगंज के चकिया स्थित कसारी-मसारी में मकान बनवाकर रह रहे थे। परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं। बेटे नितिन सिंह ने बताया कि उनके पिता ने करीब पांच साल पहले एयरपोर्ट क्षेत्र के कटहुला गौसपुर में प्लॉट खरीदा था। पिछले तीन दिनों से प्लॉट में बोरिंग का काम चल रहा था। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे पिता घर से प्लॉट के लिए निकले थे। करीब 10:30 बजे बोरिंग करने वाले मजदूर वहां पहुंचे लेकिन उनके पिता नहीं दिखे। दोपहर के समय पास में स्थित निमार्णाधीन मकान में जब मजदूर गए तो देखा कि अमर सिंह का खून से लथपथ शव पड़ा था। मजदूरों ने तुरंत बेटे नितिन सिंह को घटना की जानकारी दी।सूचना मिलते ही पत्नी, बेटे समेत परिवार के अन्य लोग रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। नितिन ने बताया कि उनके पिता के माथे और सिर पर भारी धारदार हथियार से हमला किया गया था। घटनास्थल के आसपास कोई मकान नहीं है और वहां कोई रहता भी नहीं है।

बनारस की दो संस्थाओं ने दिल्ली में गूंजाया समाजसेवा का बिगुल

सुरेश गांधी

वाराणसी। राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में शनिवार का दिन काशी के लिए गर्व का अवसर बन गया। समाजसेवा की नई मिसाल गढ़ने वाले दो नाम, बनारसी इश्क फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक रोहित कुमार सहानी और आद्या काशी फाउंडेशन की संस्थापक नेहा दुबे, ने अपने कार्य से बनारस का मान बढ़ाया।

रक्तदान के क्षेत्र में निरंतर सेवा और जन-जागरूकता फैलाने वाले रोहित कुमार सहानी को एनआईएफएए स्टेट यूथ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल एक पदक या प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि उस समर्पण का प्रतीक है, जिसने हजारों लोगों को जीवनदान के लिए प्रेरित किया।

उन्हें 10,000 रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई।

वहीं, बनारस की युवा समाजसेवी नेहा दुबे को वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस इंग्लैंड और यंग कम्युनिटी चैंपियन अवॉर्ड से नवाजा गया।

नेहा ने रक्तदान अभियानों के साथ-साथ बारह जरूरतमंद बच्चियों की शिक्षा का संपूर्ण दायित्व स्वयं उठाया हैकृउन बच्चियों का, जिन्हें परिवार की मजबूरियों ने स्कूल से दूर कर दिया था। दोनों संस्थाएं मानती हैं कि ह्लरक्तदान केवल जीवनदान नहीं, बल्कि मानवता का सबसे बड़ा धर्म है ह्व यही विश्वास उन्हें दिन-रात समाज के बीच सक्रिय रखता है। समारोह से लौटते हुए रोहित और नेहा ने कहा कि यह उपलब्धि व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उन सभी सहयोगियों की निष्ठा का परिणाम है, जो उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवा-पथ पर चलते हैं। काशी की गलियों से लेकर दिल्ली के भारत मंडपम तक गूंजा यह संदेश बताता है कि गंगा-जमुनी संस्कृति की यह धरती समाजसेवा को अवसर नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव मानती है।

दुर्गा स्वरोत्सव 2025 का भव्य समापन : संगीत और नृत्य ने एस के मेमोरियल हॉल में बिखेरा जादू

पटना(उत्तरशक्ति)। तीन दिवसीय बहुप्रतीक्षित सांस्कृतिक पर्व दुर्गा स्वरोत्सव 2025 का रविवार को पटना के एस के मेमोरियल हॉल में भव्य समापन हुआ। 26 से 28 सितम्बर तक आयोजित इस उत्सव ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की आध्यात्मिकता और कलात्मक वैभव का अनुपम संगम प्रस्तुत किया। देश के ख्याति प्राप्त कलाकारों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के प्रति अपनी गहरी निष्ठा प्रदर्शित की।

समापन संध्या पर प्रसिद्ध भजन गायिका विदूषी सूर्या गायत्री ने गणेशाय धीमहि, ऐगिरी नंदिनी, गरुड़ गमन तव, जय दुर्गे, हे गोविन्द हे गोपाल, जय राधा माधव, श्रीरामचंद्र कृपालु, ऐसी लगी लगन, हनुमान चालीसा, मेरे घर राम आए हैं, भो शम्भो और क्लिंग नर्तनम्-तिल्लाना जैसे भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनकी दिव्य गायन प्रस्तुति के उपरांत विदूषी तनुश्री शंकर द्वारा अभिनव नृत्य प्रस्तुति हुई, जिसने संगीत और नृत्य के शाश्वत संगम को साकार कर उत्सव की गरिमा को और ऊंचाई प्रदान की।

दुर्गा स्वरोत्सव 2025 का आयोजन स्पिक मैके द्वारा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार, श्रीकृष्ण स्मारक विकास समिति, कमिश्नर कार्यालय, पटना प्रमंडल तथा महिला विकास निगम, बिहार सरकार के सहयोग से किया गया। यह संयुक्त प्रयास पटना की ऐतिहासिक परंपरा दुर्गा पूजा के अवसर पर शास्त्रीय संगीत और नृत्य के आयोजन को पुनर्जीवित और संरक्षित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

उत्सव का उद्घाटन राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने किया। इस अवसर पर पद्मश्री पं. उल्हास कशालकर (हिंदुस्तानी वोकल), पद्मभूषण पं. विश्वमोहन भट्ट (मोहन वीणा), पं. रितेश मिश्रा एवं पं. रजनीश मिश्रा (हिंदुस्तानी वोकल), पद्मश्री पं. रोनू मजूमदार एवं डॉ. मैसूर मंजीनाथ (बांसुरी एवं वायलिन), विदूषी सूर्या गायत्री (भजन) और विदूषी तनुश्री शंकर (नृत्य) ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भावविभोर किया। इनके साथ पद्मश्री पं. सुरेश तालवलकर, पं. अभिजीत बनर्जी, पं. रामकुमार मिश्र, पं. मिथिलेश झा और पं. विनय मिश्र जैसे दिग्गज सहयोगी कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति से उत्सव की गरिमा को और समृद्ध किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जीएसटी में अमूलचूल परिवर्तन : हेमंत सांवरा

पालघर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक एवं दूरदर्शी नेतृत्व में वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए हैं। सरकार ने आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी की दरों में उल्लेखनीय कमी करते हुए लगभग 90% आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स को 18% से घटाकर मात्र 5% कर दिया है। यह निर्णय देश की अर्थव्यवस्था और आमजन के जीवन में महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसी संदर्भ में पालघर नगर परिषद के तत्वावधान में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में डॉक्टर हेमंत सांवरा ने व्यापारियों और उपभोक्ताओं से सीधे संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम के दौरान वे शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित दुकानों पर पहुँचे और जीएसटी में कटौती के बाद व्यापार और उपभोग से जुड़ी प्रतिक्रियाएं सुनीं।

व्यापारी संगठनों ने जीएसटी में दरों की कमी के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया और बताया कि इससे व्यापार को गति मिलेगी और उपभोक्ता खर्च में कमी आएगी।

कार्यक्रम में भाजपा शहर अध्यक्ष भाविन कंसारा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक अंभूरे, महिला मोर्चा की चंदाताई दुबे सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डॉ. सांवरा ने कहा, जीएसटी में कटौती केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि गरीबों, मध्यमवर्गीय परिवारों और छोटे व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत है। यह मोदी सरकार के 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत को सशक्त करता है। उन्होंने यह भी बताया कि श्व्यापार सुगमताश्र की दिशा में यह कदम निर्णायक साबित होगा, जिससे छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और उपभोक्ताओं की क्रयशक्ति में वृद्धि होगी। इस प्रकार का ऐतिहासिक निर्णय न केवल आर्थिक सुधार की दिशा में एक मील का पत्थर है, बल्कि यह भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की ओर एक और ठोस कदम है।

जयगुरुदेव संगत का दशहरा सत्संग 1 अक्टूबर से, देश-विदेश से जुटेंगे श्रद्धालु

नवी मुंबई। बाबा उमाकांत महाराज के सानिध्य में जयगुरुदेव संगत की ओर से 1 और 2 अक्टूबर को नवी मुंबई के खारघर स्थित सेन्ट्रल पार्क ग्राउंड 1 में भव्य दशहरा सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से ही नहीं, अमेरिका और अन्य विदेशी देशों से भी हजारों श्रद्धालुओं के पहुँचने की संभावना है। कार्यक्रम की शुरूआत 1 अक्टूबर को शाम 5 बजे से होगी, जबकि 2 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से सत्संग और नामदान का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान बाबा उमाकांत महाराज श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देंगे और उनका दर्शन भी प्राप्त होगा।

विशाल स्तर पर हो रहे इस आयोजन की तैयारी मुंबई और महाराष्ट्र संगत के जिम्मेदारों द्वारा की

जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सैकड़ों कैंप, भोजन भंडारे, स्वच्छता, चिकित्सा, तथा सुरक्षा व्यवस्था जैसे तमाम विभाग सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। कार्यक्रम स्थल पर एक विशाल मंच और पंडाल का निर्माण किया गया है, जहाँ संगत के सेवादार दिन-रात सेवा में लगे हैं। बाबा उमाकांत महाराज के आदेश अनुसार इस सत्संग स्थल पर ह्लदुःख निवारण जयगुरुदेव ध्वजह्व की स्थापना की जाएगी। बताया गया है कि जो भी व्यक्ति श्रद्धा, भाव और भक्ति के साथ उस ध्वज के समक्ष प्रार्थना करेगा, उसे दुःख, तकलीफ या बीमारी में अवश्य लाभ होगा। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का माध्यम बनेगा, बल्कि दशहरा जैसे पावन पर्व पर लोगों को एकता, सेवा और भक्ति के सूत्र में बाँधने का सशक्त उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा।

नवरात्र पर चारों तरफ श्रद्धालुओं की गूंज

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में नवरात्रोत्सव की पावन बेला में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखने को मिली। माता रानी के जयकारों से गूंज रही गलियों में भक्तिभाव की एक अलग ही ऊर्जा अनुभव हो रही थी। ढोल-ताशों की गूंज, माता के भजन, गरबा और डांडिया की रंग-बिरंगी छटा ने सम्पूर्ण वातावरण को देवीमय बना दिया। विभिन्न नवरात्रोत्सव मंडलों द्वारा सजाए गए पंडालों में देवी दुर्गा की भव्य मूर्तियाँ और मनमोहक सजावट विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालु दूर-दूर से माता के दर्शन हेतु पधारते रहे। इस अवसर पर महिला मंडलों, युवाओं और बच्चों ने मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें देवी स्तुति, नृत्य-नाटिका, भजन संध्या एवं मातृशक्ति पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। सभी वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक इन आयोजनों में सहभागी बने। जय माता दीश्र के जयघोष के बीच माता रानी की आरती हुई, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर माँ से अपने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। हेमंत खांडेकर एवं अन्य आयोजकों द्वारा माता के सेवा कार्यों के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी दिए गए जैसे ह्यबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्व, स्वच्छता अभियान, एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित संदेश। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया, और भक्तगण शांतिपूर्वक कतारबद्ध होकर माता जी के चरणों में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते रहे। इस प्रकार नवरात्रि का यह पावन उत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक समृद्धि और भक्तिभाव से परिपूर्ण पर्व बनकर उभरा, जिसने हर मन में माँ दुर्गा की भक्ति का दीप जलाया।

इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की व्यापक रेंज के साथ हाजीपुर में खुला रिलायंस डिजिटल स्टोर

हाजीपुर(उत्तरशक्ति)। भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक रिटेलर रिलायंस डिजिटल ने डाकबंगला रोड स्थित अनवरपुर चौक के पास अपने नए स्टोर का अनावरण किया। इस स्टोर का उ?द्घाटन मुख्य अतिथि हनेमान इंडिया लैबोरेट्री के निदेशक मदन गोपाल केएल, विशिष्ट अतिथि गुजरात ग्रोवमेड मार्केटिंग इंडिया के निदेशक सुरेश प्रसाद चौरसिया व एस एल केमिकल्स एंड ऑर्गेनिक्स के निदेशक सुरेश पांडेय द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने रिलायंस डिजिटल के सभी कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि यह स्टोर इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की खरीदारी के लिए उचित स्थान साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस त्योहार ग्राहक नए इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ नई शुरूआत कर सकेंगे। हाजीपुर स्टोर

मैनेजर पंकज सिंह ने बताया कि विशेष उ?द्घाटन ऑफर और नवीनतम तकनीक की व्यापक रेंज के साथ ग्राहक यहां एक बेहतर खरीदारी अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। व्यापक क्षेत्र में फैला हुआ यह तकनीक गंतव्य सर्वोत्तम कीमतों पर नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक्स की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, साथ ही इन-स्टोर सहायता के लिए एक विशेषज्ञ टेक स्क्वाड और इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीद के बाद की देखभाल के लिए समर्पित रेस्क्यू सेवा विशेषज्ञ भी प्रदान करता है। सबसे तेज डिलीवरी और इंस्टॉलेशन के साथ, ग्राहक बिना किसी देरी के अपनी पसंदीदा उत्पाद यहाँ से प्राप्त कर सकते हैं।

उपभोक्ताओं को नए स्टोर पर रोमांचक अर्ली बर्ड ऑफर के साथ अग्रणी बैंक कार्ड पर 15,000 तक का इंस्टेंट डिस्काउंट का भी लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के विशाल रेंज के साथ ही 14 दिनों में आसान रिटर्न, ईजी ईएमआई, फ्री डिलीवरी और सबसे जल्दी इंस्टालेशन की सुविधा भी मिलेगी। रिलायंस डिजिटल 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ब्रांडों के 2,000 से अधिक उत्पाद पेश करता है। इसमें नवीनतम स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, होम थिएटर, डिजिटल कैमरा, लैपटॉप, सहायक उपकरण और अन्य छोटे इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम सहित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों की एक पूरी श्रृंखला शामिल है। रिलायंस डिजिटल का लक्ष्य ग्राहकों को किफायती कीमतों पर तकनीकी विकल्पों की दुनिया उपलब्ध कराना है। आसान ईएमआई सहित कई वित्त विकल्पों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स पर अद्वितीय खरीदारी की पेशकश करके रिलायंस डिजिटल का लक्ष्य प्रत्येक ग्राहक को उनकी जीवनशैली के अनुरूप सही तकनीक ढूंढने में मदद करना है। मौके पर रिलायंस डिजिटल से जुड़े सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

कृषि सखियां सीख रही खेती करने की गुण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में राष्ट्रीय मिशन के तहत सिवान जिला के महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि सखियां खेती के कई गुण सीखेंगी। उक्त जानकारी महाराजगंज के प्रखंड कृषि पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि कृषि सखियों पंचायतों में खेती के कई तरीकों पर चर्चा बैठक में करेंगी। इनको प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कृषि सखियां मनोयोग से थ्योरी एवं प्रैक्टिल प्रशिक्षण हासिल करेंगी। कृषि सखियों को जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत के साथ अग्निशास्त्र, ब्रहमास्त्र, निकास्त्र एवं दसवकर्मी अर्क बनाने के लिये प्रायोगिक के साथ सभी विधियों को को भी सिखाया जाएगा। अलावे इसके वापसा एवं अच्छादन विधियों को भी प्रायोगिक विधि की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षित संख्या अपने अपने पंचायत में चैंपियन किसान बनाएंगी।

पीएनबी ने किया बीएसएनएल के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर कर्मचारियों के वेतन खाते खोलने हेतु

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने बीएसएनएल के कर्मचारियों के वेतन खाते खोलने हेतु 25 सितंबर 2025 को भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पीएनबी की ओर से, इस एमओयू पर श्री सुरेश कुमार राणा, मुख्य महाप्रबंधक, बीए एवं आरएम डिवीजन; श्री प्रवीण गोयल, मुख्य महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, दिल्ली; श्री संजीव भारद्वाज, महाप्रबंधक, बीए एवं आरएम डिवीजन, और श्री राजेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। बीएसएनएल की ओर से, वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों में श्री प्रभु दयाल चिरानिया, वरिष्ठ महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट बजट एवं बैंकिंग और श्री शैलेंद्र कुमार, उप महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट बजट एवं बैंकिंग शामिल थे। इस एमओयू के तहत, पीएनबी बीएसएनएल के कर्मचारियों को विशेष रूप से डिजाइन किए गए वेतन खाते की पेशकश करेगा, जिसमें उनकी वित्तीय सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई तरह के लाभ शामिल होंगे।

डायबिटीज का पता चलने के केवल 3-5 साल के भीतर ही युवाओं को हो रही है डायबिटिक रेटिनोपैथी

***नेत्र विशेषज्ञों की चेतावनी**
*** डायबिटिक रेटिनोपैथी की वजह से भारत में दृष्टिहीनता के बढ़ते मामले चिंताजनक हैं**
*** दृष्टिहीनता की रोकथाम के लिए जागरूकता और शुरूआत में पहचान सबसे जरूरी है**

मुंबई। नेत्र रोग विशेषज्ञों ने इस बात पर चिंता जताई है कि, अब युवाओं में डायबिटीज का पता चलने के केवल तीन से पाँच साल के भीतर ही डायबिटिक रेटिनोपैथी के मामले सामने आ रहे हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। पहले कभी इसे सिर्फ बुजुर्गों को होने वाला रोग माना जाता था, लेकिन अब 40 साल से कम उम्र के लोगों को भी यह बड़ी तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। दरअसल इसकी वजह खराब लाइफस्टाइल, ब्लड-शुगर का नियंत्रित नहीं होना तथा हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा एवं किडनी रोग जैसी साथ में होने वाली बीमारियाँ हैं। डॉक्टरों ने इस बात पर जोर दिया कि आँखों की रोशनी हमेशा के लिए खोने से बचाव के लिए बहुत जरूरी है कि, आँखों की नियमित जाँच के जरिए इसकी समय पर पहचान की जाए। वर्ल्ड रेटिना डे से पहले, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि डायबिटीज, सेहत के लिए नुकसानदेह लाइफस्टाइल और कई अन्य गंभीर बीमारियों की वजह से रेटिना संबंधी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। डायबिटीज से पीड़ित लगभग 12 से 15 प्रतिशत लोगों को रेटिनोपैथी होती है, और उनमें से 4 से 5 प्रतिशत की आँखों की रोशनी जाने का गंभीर खतरा होता है, इसके बावजूद ज्यादातर लोग काफी नुकसान होने के बाद ही डॉक्टर से मदद लेते हैं। युवा मरीजों और हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा या किडनी रोग से पीड़ित लोगों में यह जोखिम ज्यादा होता है, खासकर जब इसमें बैठे रहने वाली आदतें, खराब खान-पान, तनाव या धूम्रपान भी शामिल हों। जब शरीर में ब्लड शुगर का स्तर ज्यादा हो जाता है और रेटिना के ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुँचाता है, तब डायबिटिक रेटिनोपैथी होती है। शुरूआत में दिखने वाले लक्षणों में आँखों के सामने तैरते धब्बे, धुंधला दिखना, काले या खाली धब्बे, रात में कम दिखना और रंगों में अंतर करने में कठिनाई शामिल हैं। हालाँकि ब्लड शुगर को नियंत्रित करके हल्के मामलों को संभाला जा सकता है, पर ज्यादा गंभीर मामलों में लेजर ट्रीटमेंट या सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। डॉ. हितेंद्र मेहता, प्रमुख क्लिनिकल सर्विसेज, ताड़देव, ने कहा, हालाँकि हमारे अस्पतालों में डायबिटिक रेटिनोपैथी के इलाज की तमाम सुविधाएँ उपलब्ध हैं, फिर भी जागरूकता की कमी के कारण मरीज अक्सर बीमारी के अंतिम चरण में आते हैं, जहाँ आँखों की रोशनी को बचा पाना मुश्किल होता है। बीमारी के बढ़ने का इंतजार न करें और तुरंत डॉक्टर की मदद लें, खासकर अगर आप डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। नियमित रूप से आँखों की जाँच कराना आपकी आँखों की रोशनी बचाने में बहुत फर्क ला सकता है। बीमारी का देर से पता लगना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। रेटिना संबंधी बीमारियाँ अक्सर चुपचाप बढ़ती रहती हैं, और अध्ययनों के नतीजे बताते हैं कि आधे से ज्यादा मरीजों को इस स्थिति का तब तक पता ही नहीं चलता जब तक कि उन्हें आँखों की रोशनी कम होती हुई महसूस ना हो। चेंबूर के कंसल्टेंट ऑप्थेल्मोलॉजिस्ट, डॉ. महेश शिव शरण सिंह ने कहा, डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी रेटिना की अधिकतर बीमारियों का खतरा यही है कि वे बिना लक्षण के चुपचाप बढ़ती रहती हैं। मरीजों को तब तक कोई फर्क नहीं महसूस होता, जब तक कि उनकी आँखों की रोशनी कम न होने लगे। धुंधला दिखना, आँखों के सामने तैरते धब्बे, रोशनी का चमकना, या काले धब्बे जैसे शुरूआती चेतावनी के संकेतों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

जिला शाक्य मौर्य सोसाइटी का चुनाव सम्पन्न

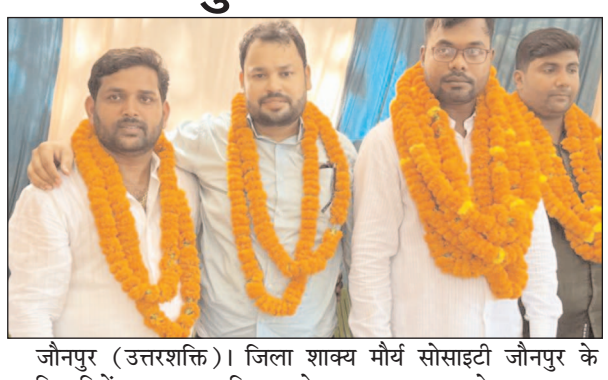

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला शाक्य मौर्य सोसाइटी जौनपुर के पदाधिकारियों का चुनाव रविवार को सकुशल सम्पन्न हो गया। चुनाव कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रियदर्शी अशोक मिशन के जिलाध्यक्ष रमेश चन्द्र मौर्य ने किया। इस मौके पर कमलाकान्त मौर्य (गोरारी) को सर्वसम्मत से अध्यक्ष चुना गया। साथ ही उपाध्यक्ष अनिरूद्ध मौर्य (जमैथा), विनय मौर्य (कलन्दरपुर), महामंत्री कैलाशनाथ मौर्य एडवोकेट, कोषाध्यक्ष अमित मौर्य, संगठन मंत्री संदीप मौर्य, मीडिया प्रभारी संजय मौर्य चुने गये। इसके बाद मौके पर उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण करके सभी पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी विजय दत्त मौर्य एवं संजय मौर्य (हरजूपुर) ने निर्वाचित समस्त पदाधिकारियों को बधाई दिया। इस अवसर पर रामसकल मौर्य, प्रदीप मौर्य, रमेश मौर्य (नेता), राजकुमार मौर्य (मास्टर), शशिकान्त मौर्य (पत्रकार), सुनील मौर्य (गोरारी), सोनू मौर्य, प्रमोद मौर्य सहित सैकड़ों स्वजातीय बन्धु उपस्थित रहे। चुनाव कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट शेषमणि मौर्य ने किया। कार्यक्रम का समापन निवर्तमान अध्यक्ष प्रेमचन्द मौर्य ने पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुये किया। साथ ही नये पदाधिकारियों को बधाई देते हुये कहा कि सोसाइटी के मयार्दा एवं नियमों के मद्देनजर कार्य करते हुये आगे बढ़ाने का कार्य करें।

रिलेक्सो फुटवियर्स ने स्टाइलिश और आधुनिक फुटवियर रेंज लॉन्च की

मुंबई। भारत के सबसे बड़े फुटवियर निमार्ता रिलेक्सो फुटवियर्स लिमिटेड ने आगामी त्योहारों के सीजन के लिए विशेष रूप से तैयार की गई स्टाइलिश एवं आधुनिक फुटवियर रेंज का अनावरण किया। रिलेक्सो के ब्राण्ड्स- स्पार्क्स, फ्लाइट और बहामास में डिजाइन किया गया यह कलेक्श पूरे परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों एवं खास मौकों के लिए पेश किया गया है, जो आरामदायक होने के साथ-साथ बेहद फैशनेबल भी है। महाराष्ट्र में आयोजित रिलेक्सो की रीटेलर मीट्स की सीरीज में इस फेस्टिव कलेक्शन को पेश किया गया। मुंबई, नागपुर, पुणे और कोल्हापुर में आयोजित इन मीट्स में क्षेत्र के 1500 से अधिक ट्रेड पार्टनर्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर युवा एवं स्टाइल के प्रति सजग उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के स्टाइलिश फुटवियर्स जैसे स्लीपर्स, स्लाइड्स, क्लॉग्स एवं फेस्टिव-रैडी फैशन सैंडल दर्शाए गए। कार्यक्रम के दौरान रिलेक्सो ने रीटेलर्स के लिए अपने आगामी कलेक्शन, प्रोडक्ट इनोवेशन्स एवं विकास की योजनाओं का एक्सक्लुजिव प्रीव्यू भी प्रस्तुत किया।

स्पार्क्स की ओर से 50 से अधिक नए फेस्टिव स्टाइल्स का अनावरण शो का आकर्षण केन्द्र रहा, इन फुटवियर्स को आधुनिक डिजाइन, वाइब्रेन्ट कलर्स एवं नए फीचर्स जैसे ऑटो-लेसिंग टेक्नोलॉजी एवं विशेष आउटसोल के साथ तैयार किया गया है, जो फुटवियर को कई गुना आरामदायक बना देते हैं। मीट में आए रीटेलरों ने इस नई फेस्टिव रेंज को खूब पसंद किया। रिलेक्सो फुटवियर्स लिमिटेड के होल टाईम डायरेक्टर गौरव कुमार दुआ ने कहा, ह्यह्यरिलेक्सो में हम अपने ब्राण्ड्स- फ्लाइट, स्पार्क्स एवं बहामास में फुटवियर्स का विविध पोर्टफोलियो लेकर आते हैं, जो आरामदायक और टिकाऊ तो है ही, साथ ही त्योहारों के लिए भी बेहतरीन है। हमें इस मीट में दर्शाए गए नए कलेक्शन के लिए रीटेलर पार्टनर्स से शानदार रिस्पॉन्स मिला है, इससे स्पष्ट है कि हम उन्हें सही जानकारी, टूल्स एवं इनोवेशन्स के साथ उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाना चाहते हैं।

रीटेल में बढ़ती मौजूदगी, अपनी डी2सी वेबसाईट, ई-कॉमर्स एवं आधुनिक ट्रेड चैनलों के साथ रिलेक्सो ऐसे लाईफस्टाइल ब्राण्ड के रूप में विकसित हो रहा है, जो हर वर्ग के लोगों को गुणवत्तापूर्ण फुटवियर उपलब्ध कराने के वादे पर खरा उतरता है।

पशु चिकित्सालय निर्माण हेतु विधायक ने किया भूमि पूजन

-लाल शेखर सिंह

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज ब्लॉक अंतर्गत ब्लॉक परिसर में स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय बेहद जर्जर होने पर एवं क्षेत्र वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पर क्षेत्रीय विधायक रमेश चंद्र मिश्र द्वारा बेहद जर्जर पशु अस्पताल के स्थान पर नवीन पर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया उक्त पशु अस्पताल का निर्माण 59 लाख की लागत से किया जाएगा वहीं पशुपालकों को अब अपने पशुओं के इलाज करने में सुविधा होगी वही आपको बता दें कि डॉ. सचिन सिंह द्वारा लगातार शासन प्रशासन द्वारा मांग की जा रही थी क्योंकि जर्जर भवन में बरसात के दिनों में बेहद दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था वही नवीन भवन के निर्माण से अस्पताल के कर्मचारियों को एवं क्षेत्रीय जनता को बहुत लाभ मिलेगा भूमि पूजन के मौके पर जिला पश्चिमी चिकित्सालय अधिकारी डॉ. ओपी श्रीवास्तव मौजूद रहे जहां विधायक के हाथों वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन का कार्य संपन्न हुआ इस मौके पर खंड विकास अधिकारी दिनेश मौर्य, प्रबुद्ध दुबे, आशीष सिंह आशु, भाजपा नेता यादवेंद्र प्रताप सिंह लव कुश सिद्धार्थ सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, अवधेश उपाध्याय, जेई एसपी सिंह, उमा प्रताप सिंह, रोहित सिंह पूर्व प्रधान, रामसागर गिरी, संदीप मिश्रा, नवीन सिंह, विनय, अमरपाल तिवारी, अतुल तिवारी, रोहित मिश्र, अनुराग सिंह, अंगद सिंह, राहुल पांडे,अमित सोनी तथा क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

हैदराबाद में 'पिंक पावर रन 2.0', 20 हजार लोगों ने दौड़कर दिया स्तन कैंसर के खिलाफ संदेश

हैदराबाद (उत्तरशक्ति)। स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित पिंक पावर रन 2025 के दूसरे संस्करण में रविवार को 20,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। नेकलेस रोड पर हुई इस दौड़ का आयोजन सुधा रेड्डी फाउंडेशन ने किया, जिसमें मशहूर हस्तियों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने एकजुट होकर स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश दिया।

दौड़ की शुरूआत सुधा रेड्डी, लिएंडर पेस, मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की चेयरपर्सन जूलिया मॉरले और मिस वर्ल्ड 2025 ओपल सुचाता चुआंगसरी ने हरी झंडी दिखाकर की। मिस इंडिया वर्ल्ड नंदिनी गुप्ता समेत कई देशों की मिस वर्ल्ड प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस बार की थीम 'Stride & Shine' रही, जिसमें 3KM, 5KM और 10KM की दौड़ आयोजित की गई। विजेताओं को कुल रु.15 लाख से अधिक के नगद पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में फिटनेस वर्कशॉप, कैंसर सर्वाइवर्स की कहानियाँ और सोशल मीडिया चैलेंजेज भी शामिल रहे। जूलिया मॉरले को 'Excellence in Mentorship Award 2025' से सम्मानित किया गया।

अब इस अभियान को पिंक पावर रनः बियॉन्ड बॉर्डर्स नाम से 2026 में 140 देशों में ले जाने की तैयारी है। यह पहल मिस वर्ल्ड की 75वीं वर्षगांठ का भी हिस्सा होगी।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दीक्षोत्सव में वित्तीय अध्ययन विभाग के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षोत्सव के अवसर पर हुए विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में वित्तीय अध्ययन विभाग के छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन कर विभाग का नाम रोशन किया। विभाग के छात्रों ने कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कार हासिल किए।

इस उपलब्धि पर विभाग में आज सम्मान समारोह आयोजित किया गया। खो-खो (पुरुष) टीम के कप्तान मोहित यादव ने टीम को प्रथम स्थान दिलाया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में अपेक्षा सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सबका गौरव बढ़ाया। इसके साथ ही खो-खो (महिला) टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिसकी कप्तान श्रेया सिंह रहीं। टीम में आराध्या राय, शिवांगी मौर्य, आयुषी सिंह, शिवांगी सिंह, सोनाली सिंह, सृष्टि, शिवानी, आकांक्षा, खुशी और पूर्णिमा शामिल थीं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डांस प्रतियोगिता में संचालक की भूमिका निभाने वाले आंचल विश्वकर्मा और रिंशु सिंह की सराहना की गई। इस सम्मान समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक गुप्ता, डॉ. मनोज त्रिपाठी और यशी सिंह मौजूद रहे। उन्होंने विजेता छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां विभाग और विश्वविद्यालय दोनों की प्रतिष्ठा को बढ़ाती हैं।

समाजसेवी विमल प्रताप सिंह की मां देवकी सिंह का निधन

जौनपुर। जौनपुर के वरिष्ठ समाजसेवी तथा भाजपा नेता विमल प्रताप सिंह की मां देवकी सिंह का 92 साल की उम्र में उनके गांव सराय डिंगुर (कोट), मुंगरा बादशाहपुर स्थित आवास पर निधन हो गया। वे अत्यंत विनम्र,शालीन और धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। अधिक उम्र होने के बावजूद वह पूरी तरह से सक्रिय थी। वह अपने पीछे दो पुत्रों , तीन पुत्रियों, पौत्र,पौत्रियों से भरा पूरा परिवार छोड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके छोटे पुत्र राजीव प्रताप सिंह ने बताया कि 7 अक्टूबर को शुद्धक तथा 8 अक्टूबर को तेरहवीं का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

शारदीय नवरात्रि के नव दुर्गा दर्शन पूजन क्रम में आज प्रस्तुत है सातवां दिन का दर्शन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में माँ कालरात्रि का एक प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर है, जो कालिका गली में स्थित है और शक्तिपीठों में गिना जाता है. इस मंदिर का नाम और गली का नाम भी देवी कालरात्रि के नाम पर पड़ा है. नवरात्रि के दिनों में, विशेष रूप से सप्तमी के दिन, इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है. भक्त यहां नारियल की बलि चढ़ाते हैं और देवी को गुड़हल के फूल और मिठाई का भोग लगाते हैं, क्योंकि मां कालरात्रि को शत्रु नाशक और भय से मुक्ति दिलाने वाली देवी माना जाता है. मंदिर की मान्यताएँ और परंपराएँ: भय और बाधाओं से मुक्तिः माना जाता है कि मां कालरात्रि अपने भक्तों के सभी प्रकार के भय, जैसे अग्नि, जल, शत्रु या बुरी शक्तियों से जुड़े भय, को दूर करती हैं. नारियल की बलिः यहां नारियल चढ़ाने की प्राचीन परंपरा है, जिसे जीव के रूप में मानकर चढ़ाया जाता है. शत्रु संहारकः मां कालरात्रि अज्ञात शत्रुओं का भी नाश करती हैं, इसलिए लोग शत्रुओं से मुक्ति पाने के लिए उनकी पूजा करते हैं. भक्तों का उत्साहः नवरात्रि के दौरान, खासकर सप्तमी को, भक्तों की भारी भीड़ यहां दर्शन करने के लिए आती है. मंदिर का स्थान और पहुँचः पताः यह मंदिर वाराणसी में कालिका गली में स्थित है, जो अन्नपूर्णा-विश्वनाथ लेन के समानांतर है। पहुँचः श्रद्धालु दशाश्वमेध घाट जाकर रिक्शा से या पैदल चलकर साक्षी विनायक पार रने के बाद, शुक्रेश्वर होते हुए कालिका गली तक पहुँच सकते हैं। माता की पूजा और श्रृंगार भोगः मां कालरात्रि को चुनरी, लाल गुड़हल की माला और मिठाई का भोग लगाया जाता है। श्रृंगारः वाराणसी के मां कालरात्रि मंदिर में देवी का विशेष श्रृंगार गुलाब के फूलों से किया जाता है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।बरसठी थाना क्षेत्र पपरावन गांव की एक महिला रविवार की सुबह ट्रेन की चपेट में आ गई, परिणाम स्वरूप उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना सरसरा गांव के कसियापुर रेलवे ट्रैक के पास उस समय हुआ, जब सुबह जौनपुर से प्रयागराज की ओर जा रही एजे पैसेंजर ट्रेन गुजर रही थी। मृतका की पहचान 65 वर्षीय इसरावती देवी पत्नी विश्वनाथ गौड़ निवासी पपरावन, थाना बरसठी के रूप में हुई है।

परिजनों ने बताया कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और अक्सर घर से अकेले निकल जाया करती थी, सुबह ट्रेन की चपेट में आ गईं। उसकी लाश रेलवे ट्रैक पर पड़ी देख गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे के बाद ट्रेन करीब 10 मिनट तक मौके पर रुकी रही और फिर प्रयागराज की ओर रवाना हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना खेतासराय तीनों बच्चों की हुई पुष्टि, डेंगू बुखार से गई थी तीनों की जान

मो.आसिफ सिद्दीकी

मानीक लाँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय तीनों बच्चों की हुई पुष्टि। डेंगू बुखार से गई थी तीनों की जान । आज समय करीब 4:00 बजे शाम सूचना मिली कि आजमगढ़ बॉर्डर पर स्थित सोंगर भादो पुलिया के नीचे बेसो नदी में 3 शव बह रहे हैं। जिसकी सूचना पर तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंची, नदी से तीनों शवों को बाहर निकाला गया। शव बच्चों के थे जिसमें से एक बच्ची जिसकी उम्र 6 वर्ष एक लड़का जिसकी उम्र 4 वर्ष तथा एक बच्चा जिसकी उम्र 2 वर्ष है। तीनो शव सफेद कफन में लपेटकर बेडशीट में बंधे थे। बच्चों के पैर में काला धागा बांधा हुआ है देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नदी में शव का प्रवाह किया हुआ है। बरामद तीनो शवो के पहचान के प्रयास किया गया तो ज्ञात हुआ कि तीनों बच्चों के नाम क्रमशः विनीता पुत्री दिनेश उर्फ दीनू मुसहर उम्र 6 वर्ष, पिंटू पुत्र दिनेश उर्फ दीनू मुसहर उम्र 2 वर्ष, सनी पुत्र हरेंद्र मुसहर उम्र 3 वर्ष निवासी कौरा गहनी थाना सरायमीर जनपद आजमगढ़ है। इनको डेंगू बुखार हुआ था।जिससे उनकी मृत्यु कल दिनांक 27.9.2025 को हो चुकी थी। जिनका उनके परिजनों द्वारा दाह संस्कार कर आज समय 4:00 बजे भोर में बेसू नदी में प्रवाह किया गया। तीनो शवो की शिनाख्त हो चुकी है। थाना दीदारगंज जनपद आजमगढ पुलिस परिजनों के साथ तीनों शव को आवश्यक कार्यवाही हेतु अपने कब्जे में लेकर गई है।

रामलला के जन्म पर पंडाल भक्तिरस से सराबोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के हुसेनाबाद मोहल्ले में श्रीराम रामलीला समिति द्वारा आयोजित ऐतिहासिक रामलीला मंचन का शुभारंभ शनिवार की रात धूमधाम से हुआ। प्रथम दिन मोहल्ले के कलाकारों ने नारद मोह, श्रीराम जन्म और ताड़का वध जैसे प्रसंगों का सजीव मंचन कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।रामलीला का आगाज मंगलाचारण व नारद मोह प्रसंग से हुआ। मंच पर नारद जी के मोहजाल और भगवान विष्णु के माया प्रपंच को कलाकारों ने जिस अद्भुत ढंग से प्रस्तुत किया, उसे देखकर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

इसके बाद राम जन्म प्रसंग का मंचन हुआ। अयोध्या नगरी में भगवान श्रीराम के अवतरण के दृश्य ने पूरे माहौल को राममय बना दिया। रामलला के जन्म पर बज रहे भजन और ढोल-नगाड़ों की धुन से पूरा पंडाल भक्तिरस से सराबोर हो उठा। अंत में ताड़का वध का रोमांचक मंचन हुआ। कलाकारों ने प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण द्वारा राक्षसी ताड़का के संहार का दृश्य इतनी जीवंतता से प्रस्तुत किया कि दर्शक रोमांचित हो उठे।रामलीला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह रामलीला पिछले 82 साल से लगातार आयोजित हो रही है और नगर की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है। इस आयोजन में मोहल्ले के विभिन्न वर्गों के लोग कलाकार की भूमिका निभाकर परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। पहली रात के मंचन को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और बच्चे पंडाल में मौजूद रहे। मंचन के दौरान जय श्रीराम के उद्घोष से बार-बार वातावरण गूंज उठता रहा।

वाराणसी में महिलाओं को जागरूक करने के लिए चौपाल और रैली का आयोजन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के विशाल भारत संस्थान के अध्यक्ष डॉ. राजीव और सहायक पुलिस आयुक्त कैंट नितिन तनेजा के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को जागरूक करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी लालपुर पांडेपुर राजीव सिंह,महिला सुरक्षा केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक मानवी शुक्ला और मिशन शक्ति टीम ने सुभाष भवन,लमही में चौपाल लगाकर महिलाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 (महिला हेल्पलाइन),1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन),1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) और विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर महिलाओं को उनके अधिकारों,सुरक्षा और सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।इसके साथ ही मिशन शक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुभाष भवन से मुंशी प्रेमचंद स्मृति द्वार,लमही तक एक जागरूकता रैली निकाली गई,जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया,जिसे स्थानीय समुदाय ने सराहा।

चेयरमैन प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल गोलू ने खोलें माँ दुर्गा के पट्ट

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला नालपार व शेखजादा प्रथम स्थित पंडाल में विराजमान माँ दुर्गा प्रतिमा के पट्ट नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति जायसवाल के पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल गोलू के द्वारा खोले गायें पट्ट खुलते ही जगत जननी आदि शक्ति के जयकारों से द्वारा गुंजायमान हो गया। तत्पश्चात आरती कर माँ प्रतिमा को भोग लगाया गया। जिसमे क्षेत्रवासी भक्तगण मौजूद रहें। इस अवसर पर चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल गोलू ने बताया कि नगर अध्यक्ष ज्योति कृष्णा जायसवाल द्वारा नगर में हर जगह जहाँ जहाँ पंडाल लगाये गये हैं साफ सफाई चुना व विधुत की व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए तत्पर है।

पर्यटन आर्थिक विकास, रोजगार का सशक्त साधनः प्रो मानस पांडे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के बीकॉम (ऑनर्स) एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता, चलचित्र, पोस्टर प्रतियोगिता एवं प्रमोशनल वीडियो प्रस्तुतिकरण जैसे आकर्षक कार्यक्रम हुए, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा तैयार प्रमोशनल वीडियो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें पर्यटन स्थलों की उपयोगिता और उनके भ्रमण से प्राप्त होने वाले अनुभवों को सजीव रूप से प्रस्तुत किया गया।

मुख्य वक्ता विभागाध्यक्ष व्यावसायिक अर्थशास्त्र प्रो. मानस पांडे ने पर्यटन को आर्थिक विकास, रोजगार सृजन एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सशक्त साधन बताते हुए कहा कि यह दिवस सतत एवं समावेशी विकास की दिशा में लोगों को प्रेरित करता है। वहीं समन्वयक बीकॉम (ऑनर्स) डॉ. आशुतोष सिंह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा स्थापित यह दिवस सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन और पृथ्वी की सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश देता है। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में रिया त्रिपाठी (प्रथम) व कीर्ति यादव (द्वितीय), भाषण प्रतियोगिता में काजल साहू (प्रथम) व रिया सिंह (द्वितीय) रही। प्रमोशनल वीडियो श्रेणी में प्रथम पुरस्कार सिद्धांत अग्रहरि, विजयांश बैंकर व शिवम मौर्या तथा द्वितीय पुरस्कार औचित्य यादव, विवेक दुबे व श्रेया त्रिपाठी को मिला। फ्लायर प्रतियोगिता में मिर्जा इनामा शादाब (प्रथम) एवं नवा अनवर (द्वितीय) को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीपांजलि गुप्ता और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पार्थेडकर, डॉ. अंजनी मिश्रा, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. निशा पांडे, प्रिंस डॉ. नितिन कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।